▪ फाल्गुन शुक्ल - 1 ▪ संवत 2081 ▪ वर्ष - 20 ▪ अंक - 214 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » शुक्रवार » 28-02-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 आध्यात्मिक पर्यटन का आधार कोई बन सकता है, तो वह उत्तर प्रदेश है : योगी

6 आधुनिकता की चकाचौंध में गायब होते संस्कार

7 हॉरर कॉमेडी 'द भूतनी' में नजर आयेंगे संजय दत्त

फर्स्ट टेक

बजट सत्र के दूसरे चरण में पेश हो सकता है वक्फ विधेयक

नई दिल्ली/भाषा। सरकार बजट सत्र के दूसरे चरण के दौरान वक्फ संशोधन विधेयक संसद के विचार के लिए ला सकती है। सूत्रों ने बताया कि 19 फरवरी को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बैठक में संसद की संयुक्त समिति (जेपीसी) द्वारा प्रस्तावित 14 संशोधनों को अपनी मंजूरी दी। भाजपा सांसद जगदंबिका पाल की अध्यक्षता वाली जेपीसी की रिपोर्ट विपक्षी दलों के हंगामे और वाकआउट के बीच गत 13 फरवरी को संसद में पेश की गई थी। केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी के बाद अब विधेयक बजट सत्र के दूसरे भाग के दौरान संसद में प्रस्तुत किये जाने की संभावना है। बजट सत्र का दूसरा चरण 10 मार्च से चार अप्रैल तक प्रस्तावित है। भाजपा के कई शीर्ष नेताओं ने दावा किया है कि इस सत्र के दौरान ही विधेयक पारित होने की संभावना है। जेपीसी की 655 पृष्ठ वाली इस रिपोर्ट में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सदस्यों द्वारा दिए गए सुझाव समाहित थे।

व्यापार, निवेश बढ़ाने के लिए आज द्विपक्षीय संबंध अधिक महत्वपूर्ण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत को व्यापार व निवेश के लिए अपने द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ाने की जरूरत है, क्योंकि दुनिया में उथल-पुथल मची हुई है और द्विपक्षीय रिश्ते ही एकमात्र सबसे फायदेमंद जरिया प्रतीत होते हैं। वित्त मंत्री ने यहां 'बीएस मंथन' में कहा कि यह बहुत ही दिलचस्प लेकिन चुनौतीपूर्ण समय है और सरकार देश को आगे बढ़ाने तथा वैश्विक वृद्धि का इंजन बनाने के लिए सभी प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा, द्विपक्षीय संबंध अब एजेंडा में शीर्ष पर है... हमें कई देशों के साथ अपने द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ाना है, न केवल व्यापार के लिए, न केवल निवेश के लिए, बल्कि रणनीतिक संबंधों के लिए भी। इसलिए बहुपक्षवाद... कुछ हद तक, मैं अब भी इसे ''कुछ हद तक'' कह रही हूं... लेकिन द्विपक्षीय संबंध ही एकमात्र फायदेमंद हैं जिसका आप इस्तेमाल कर सकते हैं।''

▪ यदि विश्व व्यापार संगठन कमजोर हो रहा है या बहुपक्षीय संस्थाएं प्रभावी नहीं रही हैं... तो व्यापार के संदर्भ में द्विपक्षीय व्यवस्थाएं ही दिन-प्रतिदिन की जरूरत बन जाएंगी।

वित्त मंत्री ने कहा कि बहुपक्षीय संस्थाएं तेजी से लुप्त होती जा रही हैं। उन्हें पुन: खड़ा करने और सक्रिय करने के प्रत्येक प्रयास से वांछित परिणाम नहीं मिल रहे हैं। उन्होंने कहा, इसलिए, आपको ऐसे मुद्दों पर ध्यान देना होगा जो आपके अपने देश से परे कई चीजों को प्रभावित करते हैं। आपके पास अब कोई ऐसा मंच नहीं बचा है जो प्रभावी ढंग से काम कर सके... बहुपक्षीय संस्थाएं और उनका योगदान शायद कम से कम निकट भविष्य में लुप्त होता दिख रहा है, जब तक कि उन्हें उस तरह की ऊर्जा के साथ फिर खड़ा करने का प्रयास नहीं किया जाता... यह अगले कुछ वर्षों में तो होने वाला नहीं है।

वित्त मंत्री ने कहा कि वैश्विक व्यापार आज पूरी तरह से बदल रहा है और जिन शर्तों और संदर्भों के साथ हम सभी व्यापार करते थे, विश्व व्यापार संगठन में ऐसा किसी प्रकार का सहारा (संस्था) अब उपलब्ध नहीं है। उन्होंने कहा कि कोई सर्वाधिक तरजीही राष्ट्र (एमएफएन) की अवधारणा नहीं है। प्रत्येक देश

महाकुंभ 'युग परिवर्तन की आहट' : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रयागराज में संपन्न हुए महाकुंभ को बृहस्पतिवार को 'युग परिवर्तन की आहट' करार दिया और कहा कि इस आयोजन ने भारत की विकास यात्रा के नए अध्याय का संदेश दिया है और यह संदेश है 'विकसित भारत' का। महाकुंभ के पूर्ण होने पर विभिन्न सोशल मीडिया मंचों के माध्यम से साझा किए गए एक आलेख में प्रधानमंत्री ने इस भव्य आयोजन को एकता का महाकुंभ बताया और कहा, जब एक राष्ट्र की चेतना जागृत होती है, जब वह सैकड़ों साल की गुलामी की मानसिकता के सारे बंधनों को तोड़कर नव चैतन्य के साथ हवा में सांस लेने लगता है, तो ऐसा ही दृश्य उपस्थित होता है, जैसा हमने 13 जनवरी के बाद से प्रयागराज में एकता के महाकुंभ में

देखा। उन्होंने कहा कि प्रयागराज में महाकुंभ के दौरान सभी देवी-देवता जुटे, संत-महात्मा जुटे, बाल-वृद्ध जुटे, महिलाएं-युवा जुटे और सभी ने देश की जागृत चेतना का साक्षात्कार किया। उन्होंने कहा, यह महाकुंभ एकता का महाकुंभ था, जहां 140 करोड़ देशवासियों की आस्था एक साथ, एक समय में, इस एक पर्व से आकर जुड़ गई थी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रयागराज में संपन्न महाकुंभ का यह आयोजन आधुनिक युग के मैनेजमेंट प्रोफेशनल्स' (प्रबंधन पेशेवरों) के लिए, प्लानिंग (नियोजन) और पॉलिसी एक्सपर्ट्स (नीति विशेषज्ञों) के लिए नए सिरे से अध्ययन का विषय बना है। उन्होंने कहा कि आज पूरे विश्व में इस तरह के विराट आयोजन की कोई दूसरी तुलना नहीं है, ऐसा कोई दूसरा उदाहरण भी नहीं है। उन्होंने कहा, पूरी दुनिया हैरान है कि कैसे एक नदी तट पर, त्रिवेणी संगम पर इतनी बड़ी संख्या में... करोड़ों की संख्या में लोग जुटे। इन करोड़ों लोगों को ना औपचारिक निमंत्रण था, ना ही किस समय पहुंचना है, उसकी कोई पूर्व सूचना थी। बस, लोग महाकुंभ के लिए चल पड़े...और पवित्र संगम में डुबकी लगाकर धन्य हो गए।

▪ भारत के युवाओं का इस तरह महाकुंभ में हिस्सा लेने के लिए आगे आना, एक बहुत बड़ा संदेश है। इससे यह विश्वास दृढ़ होता है कि भारत की युवा पीढ़ी हमारे संस्कार और संस्कृति की वाहक है और इसे आगे ले जाने का दायित्व समझती है और इसे लेकर संकल्पित भी है, समर्पित भी है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि उनके लिए यह देखना बहुत ही सुखद रहा कि बहुत बड़ी संख्या में भारत की आज की युवा पीढ़ी प्रयागराज पहुंची। उन्होंने कहा कि भारत के युवाओं का इस तरह महाकुंभ में हिस्सा लेने के लिए आगे आना, एक बहुत बड़ा संदेश है। उन्होंने कहा, इससे यह विश्वास दृढ़ होता है कि भारत की युवा पीढ़ी हमारे संस्कार और संस्कृति की वाहक है और इसे आगे ले जाने का दायित्व समझती है और इसे लेकर संकल्पित भी है, समर्पित भी है।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

गंदे बयान

टिक रही सियासत मजहब पर,
हतप्रभ हिंदु और मुसलमान।
जब हैं सब ही हिंदुस्तानी,
फिर क्यों देते नेता बयान।
वोटों के दलबाजों हरगिज,
ना बोलो तुम फिरकी जुबान।
है मुल्क सभी का भारत ही,
'जय हिंद' सभी का यशोगान।

नई योजना में अमेरिकी कंपनियां भारतीय स्नातकों को नियुक्त कर सकेंगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन/भाषा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि प्रस्तावित गोल्ड कार्ड' पहल से अमेरिकी कंपनियों को हार्वर्ड और स्टैनफोर्ड जैसे शीर्ष अमेरिकी विश्वविद्यालयों से भारतीय स्नातकों को नियुक्त करने की अनुमति मिलेगी। ट्रंप ने बुधवार को धनी विदेशियों के लिए 'गोल्ड कार्ड' पहल की शुरुआत की, जिसके तहत

50 लाख अमेरिकी डॉलर के शुल्क के बदले उन्हें अमेरिका में रहने और काम करने का अधिकार दिया जाएगा तथा नागरिकता की पेशकश की जाएगी। 'सीएनएन' की खबर के मुताबिक, ट्रंप ने कहा, हम 'गोल्ड कार्ड' की बिक्री करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा, आपके पास 'ग्रीन कार्ड' है। यह एक गोल्ड कार्ड' है। हम इस कार्ड की कीमत लगभग 50 लाख अमेरिकी डॉलर रखने जा रहे हैं और इससे आपको ग्रीन कार्ड के विशेषाधिकार मिलेंगे, साथ ही यह अमेरिकी नागरिकता पाने का मार्ग भी प्रशस्त करेगा। इस कार्ड के जरिये अमीर लोग अमेरिका का रुख करेंगे।

ट्रंप ने कहा कि मौजूदा आव्रजन प्रणाली ने शीर्ष अंतरराष्ट्रीय प्रतिभाओं, खासकर भारतीय को, अमेरिका में रहने और काम करने से रोक दिया है।

नेशनल हेराल्ड मामले में सुनवाई पर रोक बढ़ाई

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली उच्च न्यायालय ने बृहस्पतिवार को कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी, राहुल गांधी और अन्य से संबंधित नेशनल हेराल्ड मामले में निचली अदालत की कार्यवाही पर रोक बढ़ा दी। न्यायमूर्ति विकास महाजन ने इस मामले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व सांसद सुब्रमण्यम स्वामी की याचिका पर सुनवाई 28 जुलाई के लिए स्थगित कर दी। पक्षकारों से अपेक्षा की जाती है कि वे याचिका पर अपने लिखित अभिवेदन दाखिल करें, जो अधीनस्थ अदालत में पेश किये गए कुछ साक्ष्यों को स्थापित कर सकें। स्वामी और गांधी परिवार की ओर से पेश वरिष्ठ वकील आर.एस. चीमा ने लिखित दलीलें दाखिल करने के लिए समय मांगा। स्वामी ने कहा कि मामले की जांच पर कोई रोक नहीं होनी चाहिए, लेकिन चीमा ने वकील तरन्नुम चीमा के साथ मिलकर तर्क दिया कि यह मामला एक निजी शिकायत से उत्पन्न हुआ है और वैसे भी इस मामले में कोई जांच नहीं हुई है। भाजपा नेता ने गांधी परिवार और अन्य पर केवल 50 लाख रुपये देकर धोखाधड़ी और धन का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया है जिसके माध्यम से यंग इंडियन प्राइवेट लिमिटेड (वाईआई) ने 90.25 करोड़ रुपये फिर से पाने का अधिकार प्राप्त किया जो एजीएल पर कांग्रेस का बकाया था। सभी आरोपियों - गांधी परिवार, एआईसीसी कोषाध्यक्ष मोतीलाल वोरा, एआईसीसी महासचिव ऑस्कर फर्नांडीस, सुमन दुबे, सैम पित्रोदा और यंग इंडियन - ने आरोपों से इनकार किया है।

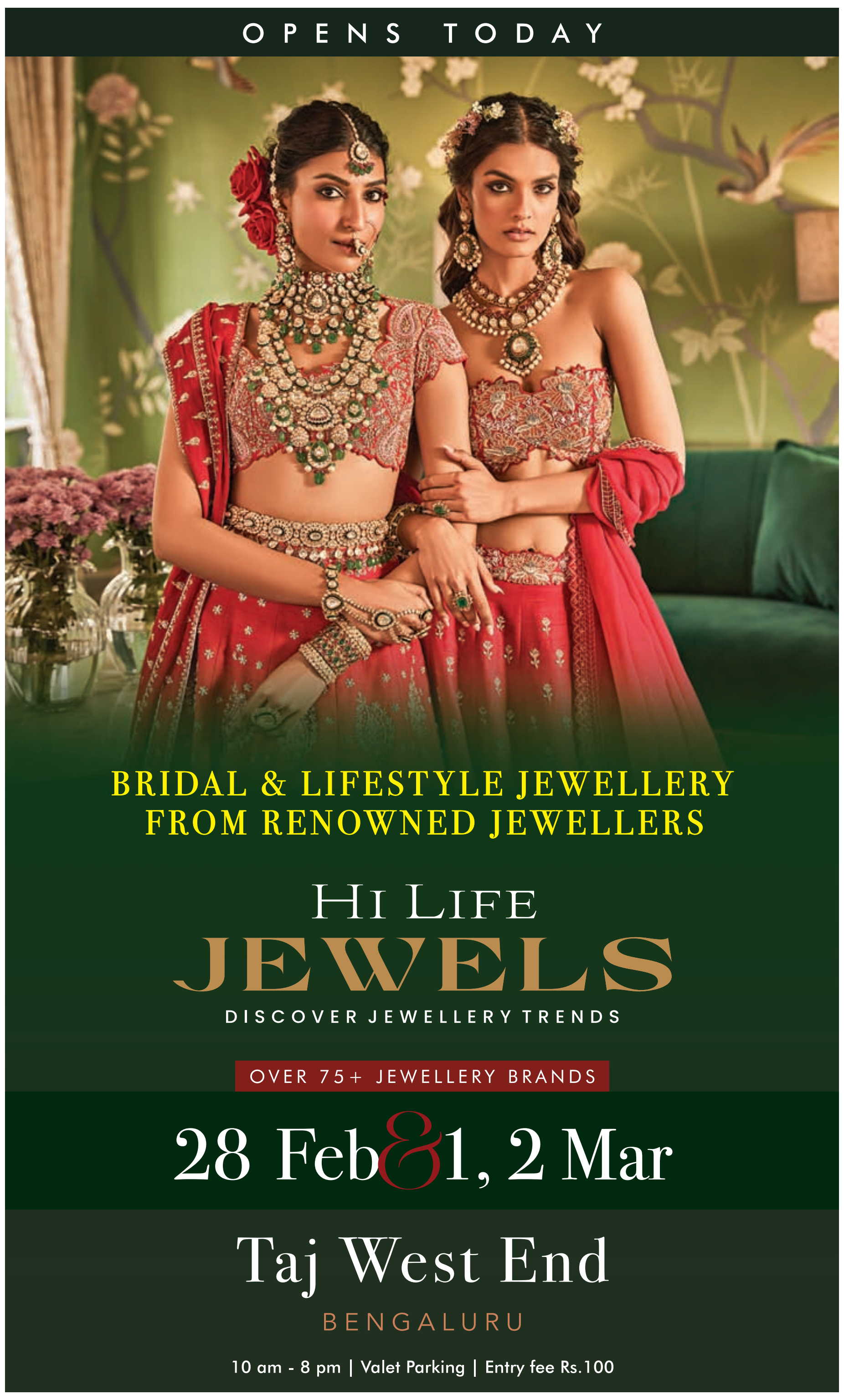

कैग रिपोर्ट में दिल्ली शराब नीति में गड़बड़ी का खुलासा, जांच के लिए पीएसी को संदर्भित की गयी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने बृहस्पतिवार को कहा कि दिल्ली शराब नीति पर कैग की रिपोर्ट को जांच के लिए लोक लेखा समिति (पीएसी) को भेज दिया गया है और समिति द्वारा तीन महीने के भीतर रिपोर्ट सौंपे जाने की उम्मीद है।

दिल्ली में शराब के विनियमन और आपूर्ति पर नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रिपोर्ट में आम आदमी पार्टी (आप) सरकार द्वारा आबकारी नीति के कार्यान्वयन में गंभीर अनियमितताओं को उजागर किया गया है। विधानसभा में चर्चा के बाद रिपोर्ट को विस्तृत जांच के लिए पीएसी को भेज दिया गया है, जिसके तीन महीने के भीतर निष्कर्ष आने की उम्मीद है। गुप्ता ने यह घोषणा करते हुए कहा कि सरकार को हुए वित्तीय घाटे के कारण इस मामले पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है।

वर्ष 2017 से 2021 के बीच की अवधि के लिए किए गए इस ऑडिट में लाइसेंसिंग प्रक्रिया, मूल्य निर्धारण तंत्र और नियामक निरीक्षण में महत्वपूर्ण खामियों की ओर इशारा किया गया है।

इसमें आरोप लगाया गया है कि इस नीति के कारण राजस्व में भारी नुकसान हुआ, जिससे सार्वजनिक धन की कीमत पर निजी कंपनियों को लाभ हुआ। रिपोर्ट में कहा गया है कि विभिन्न अनियमितताओं के कारण 2,002 करोड़ रुपये का राजस्व नुकसान दर्ज किया गया, जिसमें सरेंडर किए गए लाइसेंसों को फिर से टेंडर करने में विफलता, अत्यधिक छूट और लाइसेंस शुल्क में छूट शामिल है।

विधानसभा सत्र के दौरान कई सदस्यों ने निष्कर्षों पर गंभीर चिंता व्यक्त की तथा जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। गुप्ता ने कहा कि दिल्ली विधानसभा की पीएसी रिपोर्ट की गहन समीक्षा करेगी और तीन महीने के भीतर अपने निष्कर्ष प्रस्तुत करेगी।

अमित शाह ने नानाजी देशमुख के योगदान की सराहना की, कहा-

कुछ लोग युग परिवर्तन का कारण बनते हैं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चित्रकूट/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने समाज सुधारक नानाजी देशमुख के योगदान की सराहना करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि कुछ लोग अमिट छाप छोड़ते हैं और युग परिवर्तन का कारण बनते हैं। शाह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के वरिष्ठ नेता देशमुख की 15वीं पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा, ''कुछ लोगों का जीवन न केवल वर्षों, बल्कि युगों तक छाप छोड़ता है और वे युग परिवर्तन का कारण बनते हैं। 'भारत रत्न' नानाजी देशमुख उन महान हस्तियों में से एक हैं। कला, राजनीति, उद्योग और सेवा क्षेत्र में देशमुख के योगदान को याद करते हुए शाह ने कहा कि उन्होंने इन सभी क्षेत्रों में अमिट छाप छोड़ी। गृह मंत्री ने आपातकाल के बाद जनता पार्टी के गठन में देशमुख के योगदान को भी याद किया और कहा कि इसने मात्र 19 महीनों में लोकतंत्र की जीत सुनिश्चित की। शाह ने कहा, देशमुख ने 1977 में उत्तर प्रदेश के बलरामपुर से लोकसभा चुनाव लड़ा था और उसमें जीत दर्ज की थी। जीत के बाद उन्होंने अपनी प्रतिद्वंद्वी, क्षेत्र के पूर्व राजघराने की महारानी से मुलाकात की थी और निर्वाचन क्षेत्र के विकास में उनसे सहयोग मांगा था। शाह ने जनसंघ के संस्थापक पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा का अनावरण किया और एक पुनर्निर्मित राम दर्शन परिसर का उद्घाटन किया। इस मौके पर मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव भी उपस्थित थे।

यूनियन कार्बाइड कारखाने का कचरा जलाने के परीक्षण की प्रक्रिया शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

धार/इंदौर/भाषा। मध्यप्रदेश के पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र के एक अपशिष्ट निपटान संयंत्र में भोपाल के यूनियन कार्बाइड कारखाने के 337 टन कचरे में से 10 टन अपशिष्ट को परीक्षण के तौर पर जलाकर भस्म किए जाने के पहले दौर की प्रक्रिया बृहस्पतिवार को कड़े सुरक्षा इंतजामों के बीच शुरू कर दी गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इससे पहले, उच्चतम न्यायालय ने 1984 की भोपाल गैस त्रासदी से जुड़े अपशिष्ट को धार जिले के पीथमपुर में एक निजी कम्पनी के संचालित संयंत्र में स्थानांतरित करने और उसका निपटान करने के मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के आदेश में हस्तक्षेप से इनकार कर दिया।

न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति ए जी मसीह की पीठ ने 'यूनियन कार्बाइड इंडिया लिमिटेड' के संयंत्र से निकले अपशिष्ट के निपटान के बृहस्पतिवार को होने वाले परीक्षण पर रोक लगाने से भी इनकार कर दिया। शीर्ष अदालत ने अपशिष्ट निपटान का विरोध करने वाले नागरिक समाज के संगठनों के सदस्यों सहित पीड़ित पक्षों से उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाने को कहा है। उच्च न्यायालय इस मामले की पहले से सुनवाई कर रहा है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। उन्होंने बताया कि इस क्षेत्र में 24 थानों के करीब 500 पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं और पुलिस व प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए हैं।

इंदौर संभाग के आयुक्त दीपक सिंह ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, पीथमपुर की अपशिष्ट निपटान इकाई में यूनियन कार्बाइड कारखाने के कचरे को जलाने के पहले परीक्षण की प्रक्रिया शुरू हो गई है। तय मापदंडों के मुताबिक कचरे के कंटेनर को खोला जा रहा है और कचरे को संयंत्र में पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने कहा,संयंत्र को कचरा भस्म करने के लिए तैयार किया जा रहा है और मैं समझता हूं कि संभवत : शुक्रवार सुबह से 10 टन कचरा परीक्षण के तौर पर जलना शुरू होगा। आयुक्त ने बताया कि कचरे को भस्म किए जाने की प्रक्रिया केंद्र और राज्य के प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के वैज्ञानिकों की मौजूदगी में संपन्न होगी।

सिंह ने बताया कि पीथमपुर के जिस औद्योगिक अपशिष्ट निपटान संयंत्र में यूनियन कार्बाइड कारखाने का कचरा जलाया जाना है, उसमें ऐसी व्यवस्था है कि अगर कचरा जलाए जाने के दौरान किसी गैस का उत्सर्जन तय सीमा से अधिक होगा, तो यह संयंत्र अपने आप बंद हो जाएगा। इस बीच, कचरे के निपटान का विरोध कर रहे सामाजिक कार्यकर्ताओं ने कहा कि वे उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाएंगे। उन्होंने कहा कि शीर्ष अदालत ने उनकी बात सुनी और उन्हें उच्च न्यायालय में अपना पक्ष रखने को कहा है।

'शीश महल' में इस्तेमाल हुए सरकारी धन की जांच शुरू करेगी दिल्ली सरकार : प्रवेश वर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के मंत्री प्रवेश वर्मा ने कहा कि शीश महल' विवाद की जांच शुरू की जाएगी ताकि यह पता लगाया जा सके कि पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आधिकारिक आवास के नवीनीकरण में कितना सरकारी पैसा इस्तेमाल किया गया। '6, फ्लैगस्टाफ रोड' स्थित बंगले को भाजपा ''शीश महल'' कहती है, जिसका इस्तेमाल केजरीवाल ने मुख्यमंत्री रहते हुए किया था।

इस महीने की शुरुआत में दिल्ली में हुए विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी (आप) को सत्ता से हटाने वाली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने केजरीवाल पर बंगले में शानदार सुविधाओं के लिए सार्वजनिक धन का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया है। वर्मा ने बृहस्पतिवार को पीटीआई-भाषा' से बातचीत में कहा, आप सरकार के तहत तीन साल पहले बनाए गए भव्य मुख्यमंत्री कार्यालय की जांच की जाएगी ताकि यह पता लगाया जा सके कि इसके नवीनीकरण पर कितना पैसा खर्च किया गया और किस आधार पर अधिकारियों ने इस

तरह के खर्चों की अनुमति दी। पांच फरवरी के विधानसभा चुनावों में नई दिल्ली सीट से केजरीवाल को हराने वाले वर्मा ने कहा, भाजपा जिस 6 फ्लैगस्टाफ रोड स्थित मुख्यमंत्री के आवास को शीश महल' कहती है, उसकी भी जांच की जाएगी ताकि यह पता लगाया जा सके कि पिछली सरकार ने इसके नवीनीकरण के लिए कितना पैसा आवंटित किया था।

वर्मा लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री भी हैं। उन्होंने विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ डिफेंस कॉलोनी में जारी बुनियादी ढांचे की परियोजनाओं का निरीक्षण किया। इस दौरे के दौरान उन्होंने एक क्षतिग्रस्त पुलिया की समीक्षा की जिसकी पिछले दो वर्षों से मरम्मत की जा रही है। मरम्मत कार्य के कारण सड़कें बंद हो गई हैं और इलाके में यातायात की गंभीर समस्या है।

मोहन सिंह बिष्ट दिल्ली विधानसभा के उपाध्यक्ष चुने गए

नई दिल्ली/भाषा। भाजपा विधायक मोहन सिंह बिष्ट बृहस्पतिवार को दिल्ली विधानसभा के उपाध्यक्ष (डिप्टी स्पीकर) चुने गए। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने उपाध्यक्ष पद के लिए छह बार के भाजपा विधायक का नाम प्रस्तावित किया, जिसका अनुमोदन पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने किया, जबकि अनिल कुमार शर्मा द्वारा पेश किये गए दूसरे प्रस्ताव का गजेंद्र सिंह यादव ने समर्थन किया। भाजपा नेता बिष्ट (67) हालिया दिल्ली विधानसभा चुनाव मुस्तफाबाद से जीते हैं। उन्होंने 17,000 से अधिक मतों के अंतर से आम आदमी पार्टी(आप) के आदिल अहमद खान को हराया था। मुस्तफाबाद से पहले बिष्ट ने 1998 से 2015 तक करावल नगर सीट का प्रतिनिधित्व किया था। उन्होंने 2020 में फिर से यह सीट (करावल नगर) जीती थी।

पुणे दुष्कर्म मामला : सरनाईक ने राज्य में एमएसआरटीसी बस अड्डों, डिपो के सुरक्षा ऑडिट का आदेश दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। पुणे में खड़ी राज्य परिवहन की बस के अंदर एक महिला के साथ दुष्कर्म की घटना के मद्देनजर, महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने बृहस्पतिवार को महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम (एमएसआरटीसी) के सभी बस अड्डों और डिपो की सुरक्षा ऑडिट का आदेश दिया।

उन्होंने यह भी कहा कि राज्य भर में एमएसआरटीसी डिपो में खड़ी सभी बसों और अन्य वाहनों का इस वर्ष 15 अप्रैल से पहले निपटान कर दिया जाएगा। मंगलवार को पुणे के स्वारगेट बस अड्डे पर राज्य परिवहन की बस के अंदर 26 वर्षीय महिला के साथ कथित तौर पर दुष्कर्म किया गया। आरोपी 37 वर्षीय हिस्ट्रीशीटर दत्तात्रेय रामदास

गाडे को अभी तक गिरफ्तार नहीं किया गया है। गाडे के खिलाफ पुणे और अहिल्यानगर जिले में चोरी, डकैती और चेन झपटमारी के आधा दर्जन मामले दर्ज हैं और इनमें से वह 2019 से जमानत पर बाहर था। स्वारगेट बलात्कार मामले के मद्देनजर एमएसआरटीसी बस डिपो और परिसरों में सुरक्षा परिदृश्य की समीक्षा करने के बाद यहां राज्य सचिवालय 'मंत्रालय' में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए सरनाईक ने कहा कि उन्होंने एमएसआरटीसी बस अड्डों और डिपो का सुरक्षा ऑडिट करने के निर्देश दिए हैं।

शेयर में लाखों रुपए गंवाने के बाद व्यक्ति ने खुद को आग लगा ली

नासिक/भाषा। शेयर की खरीद-फरोख्त में 16 लाख रुपये गंवाने के बाद नासिक में एक व्यक्ति ने खुद को आग लगा ली, जिससे उसकी मौत हो गई। एक पुलिस अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि यह घटना बुधवार को सतपुर के पास पिंपलगांव बहुला गांव में हुई। सतपुर पुलिस थाने के अधिकारी ने बताया, चंदवाड़ तालुका के रहने वाले राजेंद्र कोल्हे (28) ने महाशिवरात्रि के अवसर पर एक मंदिर में दर्शन करने के बाद खुद को आग लगा ली। वह 90 प्रतिशत तक झुलस गया और उसकी मौत हो गई।

शेयर की खरीद-फरोख्त में उसे 16 लाख रुपये का नुकसान हुआ था। उन्होंने कहा, घटना के सिलसिले में दुर्घटनावश मौत का मामला दर्ज किया गया है और जांच जारी है।

आतिशी, निलंबित आप विधायकों को दिल्ली विस गेट पर रोके जाने के बाद आप ने 'धरना' दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आतिशी और आम आदमी पार्टी (आप) के अन्य विधायकों को बृहस्पतिवार को विधानसभा परिसर में प्रवेश से रोके जाने बाद आप विधायकों ने परिसर के बाहर धरना दिया। दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा कि भाजपा (भारतीय जनता पार्टी) वालों ने सरकार में आते ही तानाशाही की हदें पार कर दीं।

मंगलवार को उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना के अभिभाषण के दौरान सदन की कार्यवाही में बाधा डालने के कारण आप विधायकों को विधानसभा से निलंबित कर दिया गया था। आप ने कहा कि वह मुख्यमंत्री कार्यालय से बी.आर. अम्बेडकर की तस्वीर कथित रूप से

हटाए जाने के विरोध में प्रदर्शन कर रही थी। आप नेताओं ने बृहस्पतिवार को विधानसभा परिसर के गेट के बाहर धरना दिया। आप नेताओं ने आंबेडकर की तस्वीरों वाली तख्तियां पकड़ रखी थीं और डफली' की थाप के साथ सत्तारूढ़ दल के खिलाफ बीजेपी सुन ले, जय भीम, जय भीम'' ... बीजेपी की तानाशाही नहीं चलेगी'' के नारे लगाए। आप विधायक कुलदीप कुमार ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, हमने (विधानसभा में) 'जय भीम' के नारे लगाए और इस कारण हमें तीन दिनों के लिए निलंबित कर दिया गया। आज हमें सदन में प्रवेश नहीं करने दिया गया। यह गलत है। वे विपक्ष की आवाज को कैसे रोक सकते हैं? वे पूरे विपक्ष को भाग लेने से कैसे रोक सकते हैं?

ओलंपिक-2028 की तैयारियों के लिए हैदराबाद में सात मार्च से तीन दिवसीय चिंतन बैठक

नई दिल्ली/भाषा। खेलमंत्री मनसुख मांडविया ने बृहस्पतिवार को कहा कि 2028 में लॉस एंजिलिस में होने वाले ओलंपिक खेलों की तैयारियों का खाका तैयार करने के लिये सात मार्च से हैदराबाद में तीन दिवसीय चिंतन बैठक का आयोजन किया जायेगा।

खेलमंत्री मांडविया ने यहां मीडिया से कहा, 2028 ओलंपिक को ध्यान में रखकर तैयारियों की रणनीति तय करने के लिये हैदराबाद के कान्हा शांति वन में सात से नौ मार्च तक चिंतन बैठक का आयोजन किया गया है जिसमें सभी राज्यों के खेलमंत्री, भारतीय ओलंपिक संघ के सदस्य, चुनिंदा राष्ट्रीय खेल महासंघों के पदाधिकारी और विशेषज्ञ शामिल होंगे।

विशेषज्ञों में एलीट पूर्व और मौजूदा खिलाड़ी भी होंगे। खेलमंत्री ने यह भी कहा कि उनका फोकस देश में खेलों के सतत आयोजन पर है जिसके लिये चुनिंदा केंद्रों को खेल विशेष का केंद्र बनाया जायेगा।

उन्होंने कहा, ''मैं कम से कम पंद्रह खेलों का एक कैलेंडर बनाना चाहता हूं। कोशिश यही है कि देश में साल भर कोई न कोई खेल आयोजन होता रहे और इन सतत खेलों से प्रतिभायें निकलकर आयें। देश में चुनिंदा शहरों को खेल विशेष का हब बनाया जायेगा। मसलन दीयू में बीच खेल, लद्दाख और कश्मीर में खेलो इंडिया शीतकालीन खेल, छत्तीसगढ में खेलो इंडिया आदिवासी खेल का आयोजन शामिल है।''

केरल सरकार की बांध, बैकवॉटर पर 'सीप्लेन' परिचालन की योजना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केरल विभिन्न बांधों और 'बैकवॉटर पर सीप्लेन' यानी समुद्री विमान के परिचालन की योजना बना रहा है। राज्य पर्यटकों को अधिक संपर्क विकल्प प्रदान करना चाहता है। प्राचीन पर्यटन स्थलों के लिए प्रसिद्ध राज्य पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न कदम उठा रहा है। वित्त वर्ष 2025-26 के बजट में सीप्लेन पर्यटन, हेलिपोर्ट और हवाई पट्टियों को विकसित करने की योजनाओं के लिए 20 करोड़ रुपये की राशि आवंटित करने का प्रस्ताव है।

केरल के पर्यटन मंत्री पी. ए. मोहम्मद रियास ने 'पीटीआई-भाषा' के साथ बातचीत में कहा है कि सरकार सीप्लेन पर विचार कर रही है। उन्होंने कहा, केरल में बहुत सारे बांध हैं... उदाहरण के लिए, पलक्कड़ जिले में, हमारे पास मलमपुझा बांध है और हम वहां इसका (सीप्लेन) इस्तेमाल कर

सकते हैं... हम बांध से बांध तक सीप्लेन उड़ाने पर ध्यान दे रहे है। इसके लिए हमने कई अन्य विभागों के साथ भी चर्चा की है। रियास ने इस बात पर जोर दिया कि वह 'सीप्लेन और हेलिटूरिज्म' के लिए आने वाले सभी निजी निवेशों का समर्थन करेंगे। उन्होंने साथ ही कहा, ''केंद्र सरकार की भी अपनी भूमिका है। हमने केंद्र सरकार के साथ चर्चा की है।'' केरल के वित्त मंत्री के एन. बालगोपाल ने पीटीआई-भाषा' को बताया कि सीप्लेन, हेलिकॉप्टर और छोटे विमानों के परिचालन पर विचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा, हम बांधों, बैकवॉटर और हमारे पास बहुत सारे जल निकाय हैं, वहां सीप्लेन का इस्तेमाल कर सकते हैं।

तेलंगाना के राजनीतिक दलों ने परिसीमन पर अमित शाह के बयान की निंदा की

हैदराबाद/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के उस आश्वासन की तेलंगाना में सत्तारूढ़ कांग्रेस और विपक्षी दल भारत राष्ट्र समिति ने तीखी आलोचना की जिसमें कहा गया है कि दक्षिणी राज्यों को परिसीमन के कारण एक भी संसदीय सीट नहीं गंवानी पड़ेगी। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बी महेश कुमार गौड़ ने केंद्र से परिसीमन की प्रक्रिया शुरू करने से पहले सभी राज्यों से परामर्श करने का आग्रह किया। गौड़ ने कहा, हमें (परिसीमन प्रक्रिया पर) कुछ संदेह हैं। इसे स्पष्ट करना केंद्र सरकार की जिम्मेदारी है। अगर एक भी सीट कम हो जाती है तो हम इसे स्वीकार नहीं करेंगे। अमित शाह ने दक्षिणी राज्यों को आश्वासन दिया था कि वे परिसीमन के कारण 'एक भी संसदीय सीट' नहीं गंवाएंगे और उन्होंने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन पर इस मुद्दे पर 'गलत सूचना' फैलाने का आरोप लगाया था।

कोलकाता में ऐप आधारित कैब और बाइक की हड़ताल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। यात्रियों को बृहस्पतिवार को काफी असुविधा हुई, क्योंकि ऐप आधारित करीब 7,000 कैब और कई हजार बाइक सुबह शहर की सड़कों से नदारद रहीं। कैब और बाइक के चालकों ने ऐप आधारित वाहन सेवा उपलब्ध कराने वाली कंपनियों पर किराया बढ़ाने की मांग को लेकर दबाव बनाने के लिए यह हड़ताल की।

सीआईटीयू से जुड़े कोलकाता ओला उबर ऐप 'कैब संचालक एवं चालक यूनियन' द्वारा आहूत 12 घंटे के बंद से यात्रियों का एक वर्ग प्रभावित हुआ, जो पिछले कुछ

सालों से इस तरह के सार्वजनिक परिवहन के इस्तेमाल के अभ्यस्त रहे हैं। यूनियन के एक प्रवक्ता ने कहा, हम एग्रीगेट कानून के अनुसार, सालाना कैब किराया तय करने की मांग करते हैं, ताकि इसे तर्कसंगत और व्यावहारिक बनाया जा सके और ऐप के जरिये वाहन सेवा उपलब्ध कराने वाली कंपनियों द्वारा ऐप आधारित कैब के लिए प्रतिशत हिस्सेदारी बढ़ाई जा सके। हम गैर-एसी कैब के लिए 25 रुपये प्रति किमी, एसी कैब के लिए 30 रुपये प्रति किमी और ऐप से जुड़ी बाइक के लिए 12 रुपये प्रति किमी किराया तय करने की मांग कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि शहर में काम करने वाली ऐप आधारित लगभग 7,000 कैब और हजारों बाइक मांग के समर्थन में 12 घंटे तक सड़कों पर नहीं उतरीं। यूनियन के नेता ने कहा, हम यह भी मांग करते हैं कि ऐप के जरिये वाहन सेवा मुहैया कराने वाली कंपनियों को केवल वाणिज्यिक पंजीकरण प्लेट वाली ऐप आधारित बाइकों को ही अनुमति दी जाए और परिवहन विभाग इसमें सक्रिय भूमिका निभाए। उन्होंने कहा कि यदि आवश्यक हो तो अधिकारियों को पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए ऐप आधारित बाइकों के वाणिज्यिक पंजीकरण के लिए 31 मार्च की समय सीमा को एक महीने के लिए बढ़ा देना चाहिए।

अब यूनिट आवंटन के तीस दिन के भीतर नई कोष पेशकश की राशि का उपयोग करेंगे म्यूचुअल फंड

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। बाजार नियामक सेबी ने बृहस्पतिवार को परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनियों के लिए यूनिट आवंटन की तारीख से 30 दिन के भीतर नई कोष पेशकश (एनएफओ) के माध्यम से निवेशकों से एकत्र राशि के उपयोग को अनिवार्य कर दिया। वर्तमान में, राशि के निवेश के लिए कोई समयसीमा नहीं है। यह व्यवस्था एक अप्रैल, 2025 से लागू होगी।

इस उपाय का मकसद संपत्ति प्रबंधन कंपनियों को एनएफओ में केवल उतना ही राशि एकत्रित करने के लिए प्रोत्साहित करना है जिनका उचित समय में उपयोग किया जा सकता है। साथ ही म्यूचुअल फंड के एनएफओ की किसी भी गलत बिक्री को हतोत्साहित करना है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने एक परिपत्र में संपत्ति प्रबंधन कंपनियों को राशि के उपयोग के संबंध में म्यूचुअल फंड से जुड़ी योजना सूचना दस्तावेज (एसआईडी) में समयसीमा का उल्लेख करने और उसके अनुसार एनएफओ के जरिये राशि जुटाने के लिए कहा।

परिसीमन प्रक्रिया पर अमित शाह का दावा 'विश्वसनीय' नहीं : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने बृहस्पतिवार को कहा कि ''केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का यह दावा कि जनसंख्या जनगणना के आधार पर किए जाने वाले परिसीमन में दक्षिणी राज्यों को नुकसान नहीं होगा तो उनके इस दावे पर विश्वास नहीं किया जा सकता है।''

सिद्दरामय्या ने कहा कि ऐसा लग रहा है कि उन्होंने दक्षिणी राज्यों में भ्रम पैदा करने के उद्देश्य से यह बयान दिया है। उन्होंने यह टिप्पणी ऐसे समय में की है जब अमित शाह ने बुधवार को दक्षिणी राज्यों को आश्वासन दिया था कि वे परिसीमन के कारण एक भी 'संसदीय सीट' नहीं गंवाएंगे। मुख्यमंत्री ने एक बयान में कहा, गृह मंत्री की अस्पष्ट टिप्पणियों से ऐसा लगता है कि या तो उनके पास उचित जानकारी का अभाव है या फिर कर्नाटक, तेलंगाना, तमिलनाडु, केरल और आंध्र प्रदेश सहित दक्षिणी राज्यों को नुकसान पहुंचाने की जानबूझकर मंशा है।

सिद्दरामय्या ने कहा कि यदि केंद्र सरकार वास्तव में दक्षिणी राज्यों के लिए निष्पक्षता सुनिश्चित करना चाहती है तो गृह मंत्री को यह स्पष्ट करना चाहिए कि क्या परिसीमन प्रक्रिया हालिया जनसंख्या के आंकड़ों या लोकसभा सीट की वर्तमान संख्या के आधार पर होगी। उन्होंने कहा, यह स्पष्ट है कि यदि हालिया जनसंख्या के आंकड़ों के आधार पर परिसीमन किया गया तो यह दक्षिणी राज्यों के साथ घोर अन्याय करना होगा। इस तरह की अनुचितता को रोकने के लिए संवैधानिक संशोधनों के बाद 1971 की जनगणना को आधार मानकर परिसीमन प्रक्रियाएं की गई थीं।

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के अनुसार, ''दक्षिणी राज्यों ने पिछले 50 वर्षों में जनसंख्या वृद्धि को प्रभावी ढंग से नियंत्रित किया है और विकास के मामले में उल्लेखनीय प्रगति की है। तो वहीं, उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्यप्रदेश जैसे उत्तरी राज्य जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित करने में विफल रहे हैं और विकास में पिछड़ रहे हैं।''

उन्होंने कहा, ''परिणामस्वरूप, यदि जनगणना के नवीनतम आंकड़ों के आधार पर परिसीमन किया जाएगा तो कर्नाटक सहित दक्षिणी राज्यों की लोकसभा सीट की संख्या में कमी या स्थिरता देखी जा सकती है जबकि उत्तरी राज्यों को अधिक सीटें मिलेंगी।'' सिद्दरामय्या ने पूछा, किसी भी स्थिति में दक्षिणी राज्यों को नुकसान ही उठाना पड़ेगा। क्या गृह मंत्री को इसकी जानकारी नहीं है? उन्होंने परिसीमन के प्रभाव पर किए गए कई अध्ययनों का हवाला देते हुए कहा कि इन अध्ययनों के अनुसार, यदि परिसीमन केवल हालिया जनगणना के आंकड़ों (2021 या 2031) के आधार पर किया जाता है तो कर्नाटक में लोकसभा सीट की संख्या 28 से घटकर 26 हो जाने की संभावना है। इसी तरह, आंध्र प्रदेश की सीटें 42 से घटकर 34, केरल की 20 से घटकर 12 तथा तमिलनाडु की 39 से घटकर 31 हो जाएंगी।

सिद्दरामय्या ने हैरानी जताते हुए दावा किया उत्तर प्रदेश में लोकसभा सीट की संख्या 80 से बढ़कर 91 हो जाएगी, बिहार में 40 से बढ़कर 50 हो जाएगी तथा मध्य प्रदेश में 29 से बढ़कर 33 हो जाएगी। यह अन्याय नहीं तो और क्या है? उन्होंने इसे ''अस्वीकार्य'' करार देते हुए कहा कि यदि कर्नाटक सहित दक्षिणी राज्यों के साथ परिसीमन प्रक्रिया में निष्पक्ष व्यवहार किया जाना है तो इस प्रक्रिया को 1971 की जनगणना के आधार पर या केवल जनसंख्या के आंकड़ों पर निर्भर हुए बिना आनुपातिक रूप से लोकसभा सीट की संख्या में वृद्धि की जानी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया, ''परिसीमन के लिए नरेन्द्र मोदी की केंद्र सरकार द्वारा दिखाए जा रहे असाधारण उत्साह को देखते हुए ऐसा लगता है कि उनका असली इरादा दक्षिणी राज्यों के लोगों को उनकी पार्टी के प्रभुत्व का विरोध करने के लिए दंडित करना है।''

सिद्दरामय्या ने कर्नाटक विधानसभा के लिए चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा अध्यक्ष जे. पी. नड्डा द्वारा दी गई चेतावनी का जिक्र किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि यदि कर्नाटक के लोग भाजपा का समर्थन नहीं करेंगे तो राज्य को नरेन्द्र मोदी की शुभकामनाएं नहीं मिल पाएंगी। मुख्यमंत्री ने कहा, हमारे राज्य के खिलाफ केंद्र सरकार द्वारा की गई हर कार्रवाई इस कथन को सत्य साबित करती है। उन्होंने आरोप लगाया कि संसद में दक्षिणी राज्यों की आवाज को दबाने तथा राष्ट्रीय स्तर पर उन्हें अपनी चिंताएं जाहिर करने से रोकने के लिए केंद्र की भाजपा नीत सरकार ने अब परिसीमन का ''नया हथियार'' अपना लिया है।

मुख्यमंत्री ने कन्नड़ लोगों से जाति, धर्म और राजनीतिक विचारधारा के मतभेदों को दूर रखने तथा केंद्र सरकार द्वारा राज्य पर किए जा रहे अन्याय के खिलाफ एक स्वर में एकजुट होने का आग्रह किया।

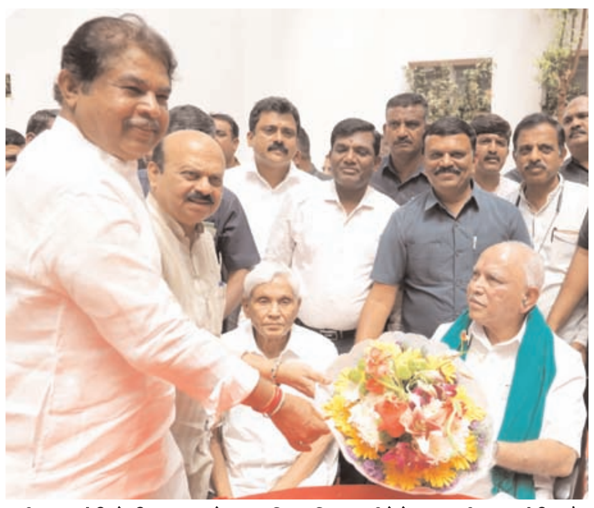

पूर्व मुख्यमंत्री येडीयुरप्पा को जन्मदिन की बधाई देते हुए पूर्व मुख्यमंत्री और सांसद बसवराज बोम्मई, विपक्ष के नेता आर. अशोक एवं अन्य

हम येडीयुरप्पा के नेतृत्व में भाजपा को सत्ता में वापस लाएंगे : बोम्मई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। पूर्व मुख्यमंत्री और सांसद बसवराज बोम्मई ने कहा कि वरिष्ठ भाजपा नेता और पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. येडीयुरप्पा के मार्गदर्शन में वे सभी एकजुट होकर राज्य में भाजपा को सत्ता में वापस लाएंगे।

येडीयुरप्पा के 83वें जन्मदिन के अवसर पर, जन्मदिन की शुभकामनाएं देने के लिए बेंगलूरु में उनके आवास पर जाने के बाद, उन्होंने कहा कि येडीयुरप्पा एक ऐसे नेता हैं जिनकी लोग प्रशंसा करते हैं क्योंकि उन्होंने सत्ता में आने के लिए कई लड़ाइयाँ लड़ीं और पद संभालने के बाद भी वे सत्ता में बने रहे। येडीयुरप्पा ने सभी समुदायों के लिए कार्यक्रम लागू किए और वंचितों, गरीबों, महिलाओं, बच्चों और किसानों को लाभ पहुँचाने वाली योजनाएँ शुरू कीं। उन्होंने कहा कि लोग अभी भी येडीयुरप्पा की पहल की इच्छा रखते हैं।

बोम्मई ने कहा कि आज का दिन कांग्रेस सरकार के कुशासन को सत्ता से हटाने और भाजपा को सत्ता में वापस लाने का संकल्प लेने का दिन है। इस मौके पर पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. येडीयुरप्पा, विपक्ष के नेता आर. अशोक, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा और कई अन्य नेता मौजूद थे।

स्थानांतरण

केनरा बैंक शाखा केनरा बैंक की नव स्थानांतरित शाखा एचएसआर लेआउट और एमएसएमई सुलभ शाखा का उद्घाटन केनरा बैंक के बेंगलूरु मंडल के महाप्रबंधक महेश एम पई ने किया। इस शुभ अवसर पर बैंक के उप महाप्रबंधक जे. अनवर सादात, एचएसआर लेआउट शाखा के मुख्य प्रबंधक प्रशांत कुमार, एमएसएमई शाखा के सहायक महाप्रबंधक संजय कुमार उपस्थित थे।

पूर्व मंत्री रेणुकाचार्य एवं अन्य पूर्व मुख्यमंत्री येडीयुरप्पा को उनके जन्मदिन पर बधाई देते हुए।

लिंगायत समाज के निर्विवाद नेता हैं येडीयुरप्पा : रेणुकाचार्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तुमकुर, मैसूरु, बेंगलूरु ग्रामीण और चामराजनगर क्षेत्रों के सामुदायिक नेताओं ने एक बैठक की है। येडीयुरप्पा वीर शैव लिंगायत समुदाय के एकमात्र अग्रणी नेता हैं। प्रदेश की जनता ने येडीयुरप्पा को देखकर मतदान किया है। वहीं समाज की कुछ बुरी ताकतें समुदाय को बांटने का काम कर रही है। हमें उससे सचेत रहना है। येडीयुरप्पा हमारे समाज के लिए एक निर्विवाद नेता हैं। येडीयुरप्पा सभी समुदायों के नेता है। यह बात पूर्व मंत्री रेणुकाचार्य ने कही। गुरुवार को येडीयुरप्पा के 83वें जन्मदिन के अवसर पर, जन्मदिन की शुभकामनाएं देने के लिए उनके आवास पर जाने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने बताया।

उन्होंने कहा कि सभी जिलों में प्रारंभिक बैठकें आयोजित हो रही है। कल तुमकुरु और दाबसपेट में बैठक है। दावणगेरे में शनिवार को बैठक होगी। 4 मार्च को बेंगलूरु, मैसूरु, चामराजनगर और चिक्कबल्लापुर क्षेत्रों के लिंगायत नेताओं की बैठक आहूत की गई है। उन्होंने कहा कि ऐसे कई लोग हैं जो येडीयुरप्पा के नेतृत्व में पले-बढ़े हैं। हम समाज से हैं, न कि समाज हमसे। हम सभी लिंगायत नेताओं से बैठक में आने की अपील करते हैं। हम आने वाले दिनों में बेंगलूरु में लिंगायत स्वामीजी और नेताओं का एक सम्मेलन आयोजित करेंगे।

हजार लोग विरोध करें, मुझे आप पर भरोसा है : डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। उपमुख्यमंत्री डी.के. सिंह ने कहा, भले ही एक हजार लोग विरोध करें, मुझे आप पर भरोसा है। शिवकुमार ने यह बात स्पष्ट रूप से कही है। शिवकुमार ने गुरुवार को विधान सौधा में आयोजित पुस्तक मेले के उद्घाटन के बाद मीडिया के सवालों का जवाब दिया। जब आपसे पूछा गया कि क्या कुंभ मेले और ईशा फाउंडेशन कार्यक्रम में भाग लेने के बारे में आपके रुख के बारे में कोई चर्चा हुई है, तो आपने कहा, मैं नॉनविनाकेरे मठ जाता हूं। इस पर हमारे लोग कहते हैं, 'आप हमारे मठ में मत आइए, आप वहां जाइए।' मैं वहीं जाता हूं जहां मुझे विश्वास है। मैं वहीं जाता हूं जहां मुझे अच्छा लगता है। मेरा विश्वास मेरा है।

उन्होंने कहा, मेरे निर्वाचन क्षेत्र में, मुझे वोट देने वालों में से अधिकांश अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति से हैं। मेरे निर्वाचन क्षेत्र में, 99 प्रतिशत ब्राह्मण समुदाय मुझे वोट देता है। तो क्या यह कहना संभव है कि सभी ब्राह्मण भाजपा को वोट देते हैं? मैं कभी भी जाति के आधार पर राजनीति नहीं करता। मैं नीति के आधार पर राजनीति करता हूं। कांग्रेस पार्टी सभी धर्मों का समागम है। हमारी पार्टी की विचारधारा सबको साथ लेकर चलने की है। जब हम सत्ता और पद देते हैं, तो सबको सोच-समझकर देते हैं। हमारी सरकार सत्ता में है। क्या हमने धार्मिक बंदोबस्ती विभाग बंद कर दिया? जब भाजपा सत्ता में थी, तब वक्फ बोर्ड क्यों नहीं बंद किया? उन्होंने दूसरों को टिकट भले न दिए हों, लेकिन क्या उन्होंने ईसाई विकास बोर्ड बंद कर दिया? नहीं। यह हमारे संविधान की वजह से है। हमारे देश में सभी धर्मों को समान अवसर दिए गए हैं। क्या वे सभी अलग-अलग पानी पी सकते हैं? क्या इस धरती और हवा में जाति और धार्मिक भेदभाव है? उसने हर सवाल पूछा.

उन्होंने कहा, इसका कुंभ मेले से क्या लेना-देना है? क्या पानी की कोई जाति या धर्म होता है? कुंभ मेला, गंगा और कावेरी हमारी पवित्र नदियां हैं। यह एक परंपरा है जो शुरू से चली आ रही है। इसमें कोई राजनीति नहीं है। धर्म और आस्था के मामलों में राजनीति नहीं होनी चाहिए। हमारे स्पीकर ने भी कहा कि हमें कुंभ मेले में जाना चाहिए। मैं कुंभ मेले के आयोजन को देख रहा हूं। हमने तय किया है कि हम कावेरी आरती करेंगे। मैंने भी इस संदर्भ में यह देखा है।

एसबीआई फाउंडेशन ने मनोनंदना ट्रस्ट के केंद्र के लिए दान दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। एसबीआई फाउंडेशन ने कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व पहल के तहत मनोनंदना ट्रस्ट के प्रारंभिक हस्तक्षेप केंद्र की स्थापना के लिए एक करोड़ 77 लाख 80 हजार रुपए का दान दिया है। यह केंद्र 0-6 साल की उम्र के निम्न-आय परिवारों के बच्चों को निःशुल्क एसेसमेंट और थेरेपी उपलब्ध कराएगा।

कुमार स्वामी लेआउट में स्थित यह केंद्र विशेष शिक्षा, स्पीच थेरेपी, संवेदी एकीकरण और फिजियोथेरेपी सहित कई सेवाएं देगा।

इन सेवाओं का मकसद विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों के लिए आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना, परिवार के स्वास्थ्य को सुदृढ़ करना और उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित करना है। उद्घाटन समारोह में बेंगलूरु मंडल की मुख्य महाप्रबंधक जूही स्मिता सिन्हा, एसबीआई फाउंडेशन के प्रबंध निदेशक संजय प्रकाश सहित अनेक विशिष्ट अतिथियों ने भाग लिया। इनके अलावा दिव्यांगता और वरिष्ठ नागरिक सहायक निदेशक रमेश, वासवी अस्पताल के अध्यक्ष श्रीनिवास गुप्ता, मनोनंदना ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं प्रबंध न्यासी मिलिंद गोखले मौजूद थे।

उपमुख्यमंत्री शिवकुमार के भाजपा में शामिल होने पर कोई चर्चा नहीं : बोम्मई

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । पूर्व मुख्यमंत्री और सांसद बसवराज बोम्मई ने कहा कि उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के भाजपा में शामिल होने के बारे में भाजपा के भीतर कोई चर्चा नहीं है। उन्होंने कहा कि राजनीति में घटनाक्रम तेजी से घटित होते हैं। ईशा फाउंडेशन के सद्गुरु जग्गी वासुदेव द्वारा आयोजित महाशिवरात्रि कार्यक्रम में डी.के. शिवकुमार की भागीदारी के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह पहले भी सद्गुरु के कार्यक्रमों में भाग ले चुके हैं। उन्होंने कहा, हम भी कई बार इसमें शामिल हुए हैं। इसे राजनीतिक महत्व देने की कोई जरूरत नहीं है।

इस मामले को लेकर कांग्रेस के भीतर चल रही चर्चाओं का हवाला देते हुए बोम्मई ने कहा, कांग्रेस के भीतर अलग-अलग व्याख्याएं सामने आ रही हैं, जो उनका आंतरिक मामला है। यह उनकी पार्टी के अविश्वास और भ्रम को दर्शाता है। जब अविश्वास होगा, तो असहमति भी होगी। हालांकि, डी.के. शिवकुमार के भाजपा में शामिल होने के बारे में कोई चर्चा नहीं है। राजनीतिक घटनाक्रम तेजी से होते हैं, कभी-कभी रातों-रात। लेकिन हमारी समझ के अनुसार, वर्तमान में ऐसी कोई स्थिति नहीं है, उन्होंने स्पष्ट किया।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पद के बारे में पूछे जाने पर बोम्मई ने कहा, लोग इस पद के लिए मेरा नाम उछालते रहते हैं। हमारा ध्यान सभी को एकजुट करने और कर्नाटक में भाजपा को फिर से सत्ता में लाने के लिए मिलकर काम करने पर होना चाहिए।

उद्घाटन

गुरुवार को बेंगलूरु में जीएएफएक्स 2025 के उद्घाटन के दौरान ग्रामीण विकास, पंचायत राज और आईटी और बीटी मंत्री प्रियांक खरगे, बायोकॉन के संस्थापक किरण मजूमदार शॉ, विधायक और केओनिक्स के अध्यक्ष शरथ बचे गौड़ा और अन्य।

विधान सौधा परिसर में लगा पुस्तक मेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। गुरुवार को मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने कर्नाटक विधानसभा द्वारा विधान सौधा परिसर में आयोजित प्रथम पुस्तक मेले का उद्घाटन किया। इस दौरान वरिष्ठ साहित्यकार एवं ज्ञानपीठ पुरस्कार विजेता चंद्रशेखर कंबारा, गोवा राज्य के वरिष्ठ साहित्यकार एवं ज्ञानपीठ पुरस्कार विजेता दामोदर मौजो तथा अन्य वरिष्ठ साहित्यकारों को सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर कर्नाटक विधान परिषद के सभापति बसवराज शिवलिंगप्पा और कर्नाटक विधानसभा के अध्यक्ष यू.टी. खादर फरीद, उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, स्कूल शिक्षा और साक्षरता मंत्री मधु बंगारप्पा, मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव गोविंदराजू, नसीर अहमद, विधान परिषद में सरकार के मुख्य सचेतक सलीम अहमद, नई दिल्ली में सरकार के विशेष प्रतिनिधि टी.बी. जयचंद्र, गारंटी योजना कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष एच.एम. रेवन्ना, विधायक राजुगौड़ा, रिजवान अरशद, नागराजा यादव, कन्नड़ साहित्य परिषद के अध्यक्ष महेश जोशी और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

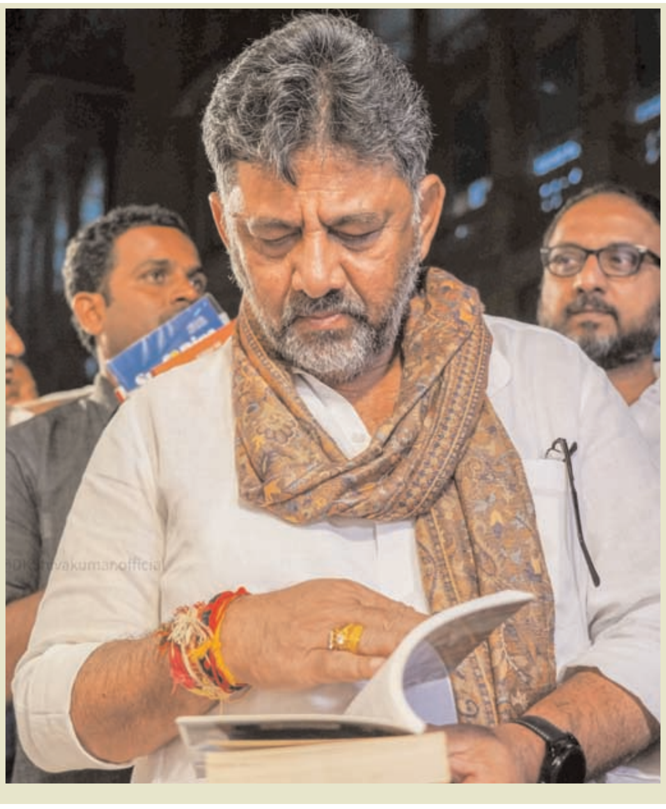

हिंदी मुखौटा है, संस्कृत चेहरा है : स्टालिन

चेन्नई। केंद्र द्वारा कथित तौर पर हिंदी थोपे जाने के खिलाफ अपना अभियान तेज करते हुए तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने एक बार फिर बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य इस भाषा को ''थोपने'' की इजाजत नहीं देगा और उन्होंने तमिलों एवं इसकी संस्कृति की रक्षा करने का संकल्प जताया। पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित एक पत्र में उन्होंने कहा, हम हिंदी थोपने का विरोध करेंगे। हिंदी मुखौटा है, संस्कृत छिपा हुआ चेहरा है। सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) ने आरोप लगाया है कि केंद्र राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) में तीन-भाषा फार्मूले के माध्यम से हिंदी को थोपने की कोशिश कर रहा है। हालांकि, केंद्र सरकार ने इस आरोप का खंडन किया है। पत्र में स्टालिन ने दावा किया कि बिहार, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में बोली जाने वाली मैथिली, ब्रजभाषा, बुंदेलखंडी और अवधी जैसी कई उत्तर भारतीय भाषाओं को आधिपत्यवादी हिंदी ने नष्ट कर दिया है।

विधानसभा में सत्तापक्ष के साथ जारी गतिरोध के बीच कांग्रेस का सदन से बहिष्कार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में सत्तारूढ़ भाजपा और विपक्षी कांग्रेस नेताओं के बीच विधानसभा में गतिरोध बृहस्पतिवार को भी जारी रहा। कांग्रेस विधायकों ने सदन की कार्यवाही का बहिष्कार किया और विधानसभा के बाहर धरना दिया। विधानसभा में गतिरोध पिछले शुक्रवार को राज्य के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के खिलाफ की गई टिप्पणी और फिर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा द्वारा विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी पर की गई टिप्पणी के कारण बना हुआ।

विपक्षी कांग्रेस विधायक तख्तियां लेकर अपने आवासों से विधानसभा परिसर पहुंचे और द्वार पर बैठ गए। विधायकों ने नारेबाजी की और राज्य मंत्री अविनाश गहलोत से पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के खिलाफ की गई टिप्पणी के लिए माफी की मांग की। कांग्रेस विधायकों ने द्वार पर अपने विरोध के दौरान, सदन के बाहर समानांतर प्रश्नकाल भी चलाया। विधायक घनश्याम को अध्यक्ष बनाया गया, जबकि अन्य सदस्य उनसे सत्तारूढ़ भाजपा नेताओं के 'आचरण' से संबंधित सवाल पूछते रहे।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने विधानसभा के बाहर संवाददाताओं से कहा, यह समाप्त होना चाहिए, ताकि विधानसभा में बहस हो सके। सत्ता पक्ष और विपक्ष को सहयोग करना चाहिए तथा दोनों पक्षों में से किसी एक में अहंकार नहीं होना चाहिए। यह तनाव अनावश्यक है। विपक्ष के नेता टीकाराम जूली ने कहा कि सत्ता पक्ष के मंत्री ने टिप्पणी की थी। हम तीन दिन तक विधानसभा के अंदर सोए। गतिरोध समाप्त करने के लिए वार्ता हुई। विपक्ष के तीन नेताओं ने खेद व्यक्त किया। इसके बावजूद सरकार के मंत्री जवाब नहीं दे रहे हैं।

उन्होंने कहा, मैंने मुख्यमंत्री और संसदीय कार्य मंत्री को बताया है कि वार्ता के लिए हमारे दरवाजे खुले हैं। उनके मुताबिक, कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने भी कहा कि वह विधानसभा अध्यक्ष के आवास पर जाकर मामले को स्पष्ट कर सकते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार अपने मंत्रियों के प्रदर्शन से डरी हुई है और वे जवाब नहीं दे पा रहे हैं इसलिए वे सदन नहीं चलाना चाहते।

सरकार की ओर से गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने कहा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष द्वारा सदन में अभद्र शब्दों का प्रयोग किया गया तथा उसे अखबारों में प्रमुखता से प्रकाशित किया गया। वे उस पर सवाल उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जनता ने कांग्रेस विधायकों को चुना और वे सदन से भाग गए। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सोशल मीडिया पर संदेश पोस्ट करने में व्यस्त हैं और मुद्दे उठाने के लिए विधानसभा नहीं आते। बेढम ने कहा कि मंत्री अवनीश गहलोत ने 'दादी' शब्द का इस्तेमाल किया और यह शब्द असंसदीय नहीं है। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री (पंडित जवाहरलाल नेहरू) को 'चाचा' कहा गया।

उन्होंने कहा, डोटासरा को विधानसभा अध्यक्ष के खिलाफ अपनी टिप्पणी के लिए माफी मांगनी चाहिए। वे पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष के रूप में एक गरिमापूर्ण पद पर हैं। उन्हें सदन में आकर माफी मांगनी चाहिए और सदन को सुचारू रूप से चलने देना चाहिए। उन्हें कौन रोक रहा है?

राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी मंगलवार को भावुक हो गए थे। उन्होंने कहा कि सदन में डोटासरा द्वारा इस्तेमाल किए गए शब्द आसन के लिये अपमानजनक थे। देवनानी ने कहा कि वे कभी पक्षपाती नहीं रहे और फिर भी अगर अनुचित शब्दों का इस्तेमाल किया गया तो यह दुखद था। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष डोटासरा ने सोमवार को सदन में देवनानी के खिलाफ कथित तौर पर अपमानजनक टिप्पणी की थी। इससे पहले राज्य विधानसभा में मंत्री अविनाश गहलोत ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी पर टिप्पणी की थी। गतिरोध के कारण छह कांग्रेस विधायकों को सदन से निलंबित कर दिया गया और उन्हें विधानसभा में प्रवेश नहीं करने दिया गया।

सदन में 'अभद्र व्यवहार' के कारण कांग्रेस प्रमुख डोटासरा, रामकेश मीणा, अमीन कागजी, जाकिर हुसैन, हाकम अली और संजय कुमार को शुक्रवार को विधानसभा के बजट सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित कर दिया गया था। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के कक्ष में पक्ष विपक्ष के नेताओं की कई दौर की वार्ता हुई, लेकिन मामला सुलझ नहीं सका क्योंकि अध्यक्ष और संसदीय कार्य मंत्री निलंबित कांग्रेस सदस्य डोटासरा के बयान से संतुष्ट नहीं थे।

उल्लेखनीय है कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने शुक्रवार को प्रश्नकाल के दौरान कामकाजी महिलाओं के लिए छात्रावास संबंधी प्रश्न का उत्तर देते समय विपक्ष की ओर इशारा करते हुए कहा था, 2023–24 के बजट में भी आपने हर बार की तरह अपनी 'दादी' इंदिरा गांधी के नाम पर इस योजना का नाम रखा था। इस टिप्पणी के कारण सदन में भारी हंगामा हुआ था, जिसके कारण सदन की कार्यवाही कई बार स्थगित करनी पड़ी और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा सहित छह कांग्रेस विधायकों को सदन से निलंबित कर दिया गया था। सदन की बैठक स्थगित होने के बाद कांग्रेस विधायकों ने मंत्री से माफी मांगने और निलंबन रद्द करने की मांग करते हुए विधानसभा में धरना शुरू कर दिया था फिर बाद में सदन का बहिष्कार किया।

आरडीएसएस की तर्ज पर स्मार्ट मीटर कार्यक्रम में भी केन्द्र से मिले 60 प्रतिशत अनुदान : नागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। ऊर्जा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर ने केन्द्र सरकार से स्मार्ट मीटर कार्यक्रम को आरडीएसएस योजना की तर्ज पर 60 अनुपात 40 के आधार पर संचालित करने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि इससे बिजली वितरण कंपनियों को अपने घाटे को कम करने में मदद मिलेगी। उन्होंने प्रदेश की पीक डिमांड को पूरा करने के लिए बैटरी एनर्जी स्टोरेज परियोजनाओं को बढ़ावा देने में भी केन्द्र से समुचित सहयोग का आग्रह किया है।

नागर गुरूवार को विद्युत भवन से वीडियो कॉन्फ्रेंड्न्स के माध्यम से 'वॉयबिलिटी ऑफ डिस्ट्रीब्यूशन यूटिलिटीज' विषय पर मंत्री समूह की बैठक को संबोधित कर रहे थे। केन्द्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा राज्यमंत्री श्रीपाद येसो नायक की अध्यक्षता में मुम्बई के सहयाद्री विश्रांतिगृह में हुई ग्रुप ऑफ मिनिस्टर्स की इस दूसरी बैठक में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडनवीस सहित उत्तर प्रदेश, आन्ध्र प्रदेश, तमिलनाडु, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र आदि राज्यों के ऊर्जा मंत्री तथा वरिष्ठ अधिकारी सम्मिलित हुए। राजस्थान से ऊर्जा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव आलोक तथा डिस्कॉम्स चेयरमैन सुआरती डोगरा भी वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से बैठक से जुड़े।

ऊर्जा मंत्री ने कहा कि हमारी सरकार थर्मल आधारित महंगी बिजली के वैकल्पिक, सस्ते एवं सुलभ स्रोत के रूप में सौर ऊर्जा आधारित परियोजनाओं को बढ़ावा दे रही है। पीएम-कुसुम योजना के तहत राज्य में 12 हजार मेगावाट से अधिक क्षमता की परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं जिसके अन्तर्गत 4 हजार 355 मेगावाट क्षमता के पावर परचेज एग्रीमेंट किए जा चुके हैं। एनर्जी ट्रांजिशन को गति देने के लिए हाइब्रिड एन्यूटी मॉडल जैसे नवाचार पर भी काम चल रहा है। पीएम सूर्यघर योजना में 136 मेगावाट के रूफ टॉप संयंत्र लगाए जा चुके हैं। इन प्रयासों से प्रदेश में विकेन्द्रित सौर ऊर्जा उत्पादन उत्पादन में बीते एक वर्ष में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। चेयरमैन डिस्कॉम्स सुआरती डोगरा ने सस्ती एवं सुलभ विकेन्द्रित सौर ऊर्जा पर कृषि क्षेत्र की मांग को शिफ्ट करने, बिजली खरीद की दरों में कमी, परिचालन लागत को कम कर एटी एंड सी हानियों को कम करने की दिशा में किए जा रहे सुधार एवं नवाचारों पर आधारित प्रस्तुतीकरण दिया।

विधानसभा में गतिरोध को लेकर पक्ष-विपक्ष के नेताओं की जुबानी जंग हुई तेज

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि सरकार ने सदन में गतिरोध केवल इसलिए बना रखा है क्योंकि मंत्रियों का कार्य प्रदर्शन खराब है और वे सदन में विपक्ष के सवालों का जवाब नहीं दे पा रहे हैं। मंत्री अविनाश गहलोत ने शुक्रवार को प्रश्नकाल के दौरान कामकाजी महिलाओं के लिए छात्रावास संबंधी एक प्रश्न का उत्तर देते समय विपक्ष की ओर इशारा करते हुए कहा था, 2023-24 के बजट में भी आपने हर बार की तरह अपनी 'दादी' इंदिरा गांधी के नाम पर इस योजना का नाम रखा था।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और विपक्षी दल कांग्रेस के बीच गतिरोध को लेकर बुधवार को जुबानी जंग तेज हो गई। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने विपक्षी दल पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस पूरे प्रकरण में राजनीति कर रही है। वहीं, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि सरकार ने सदन में गतिरोध केवल इसलिए बना रखा है क्योंकि मंत्रियों का कार्य प्रदर्शन खराब है और वे सदन में विपक्ष के सवालों का जवाब नहीं दे पा रहे हैं। मंत्री अविनाश गहलोत ने शुक्रवार को प्रश्नकाल के दौरान कामकाजी महिलाओं के लिए छात्रावास संबंधी एक प्रश्न का उत्तर देते समय विपक्ष की ओर इशारा करते हुए कहा था, 2023–24 के बजट में भी आपने हर बार की तरह अपनी 'दादी' इंदिरा गांधी के नाम पर इस योजना का नाम रखा था।

इस टिप्पणी के कारण सदन में भारी हंगामा हुआ था और सदन की कार्यवाही कई बार स्थगित करनी पड़ी। हंगामे के कारण प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, रामकेश मीणा, अमीन कागजी, जाकिर हुसैन, हाकम अली और संजय कुमार सहित छह कांग्रेस विधायकों को सदन से निलंबित कर दिया गया था। कांग्रेस विधायकों ने मंत्री से माफी मांगने और निलंबन रद्द करने की मांग करते हुए विधानसभा में धरना दिया था। बाद में विपक्षी कांग्रेस ने सदन की कार्यवाही का बहिष्कार कर दिया था।

राठौड़ ने संवाददाताओं से बातचीत में दावा किया कि कांग्रेस विधानसभा में हर दिन नया विवाद खड़ा करना चाहती है। उन्होंने कहा कि सदन में बजट प्रस्तुत होने के बाद कांग्रेस सदस्यों ने खासकर डोटासरा ने जो माहौल बनाया, उससे लोकतंत्र शर्मसार हुआ है। राठौड़ ने विपक्षी दल पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस पूरे प्रकरण में राजनीति कर रही है।

भाजपा कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचन्द बैरवा और कैबिनेट मंत्री सुमित गोदारा भी मौजूद रहे। उन्होंने दावा किया कि डोटासरा नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली को भी बोलने का मौका नहीं देते हैं। वहीं, जूली ने एक बयान में कहा कि उन्हें अंदेशा है कि सरकार इसी गतिरोध में बजट सत्र समाप्त करना चाहती है ताकि कोई चर्चा ना हो और सरकार की पोल जनता के सामने ना खुले।

जूली ने कहा कि गलत तथ्य बताए जा रहे है कि विपक्ष नहीं चाहता कि वार्ता हो जबकि वास्तविकता यह है कि विपक्ष से किसी ने बातचीत के लिए सम्पर्क नहीं किया। उन्होंने कहा कि विपक्ष भी वार्ता कर सदन का गतिरोध दूर करना चाहता है ताकि आम जनता के मुद्दों पर चर्चा की जा सके। कांग्रेस नेता ने कहा कि जो आंकड़ों का खेल सरकार ने बजट में प्रस्तुत किया है उसकी सच्चाई विपक्ष सदन को बताना चाहता है, इसी बात से घबरा कर सरकार गतिरोध जारी रखना चाहती है। जूली ने कहा कि सदन में ऐसा नहीं होता कि मंत्री मनमर्जी से कुछ भी बोल दे और उनकी टिप्पणी को कार्यवाही से हटवाने की मांग की जाए तो विपक्ष के सदस्यों का निलंबन कर दिया जाए।

डोटासरा ने कहा कि सदन में उनके विरूद्ध असम्मानजनक भाषा का इस्तेमाल किया गया और यहां तक टिप्पणी की गई कि वह सदन में आने लायक नहीं है जबकि वह विधानसभा में चौथी बार जनता के वोट से चुनकर आए हैं।

डोटासरा ने कहा कि वह विधानसभा अध्यक्ष का सम्मान करते है, अगर किसी बात से ठेस पहुंची है तो उन्हें खेद प्रकट करने में आपत्ति नहीं है। हालांकि उन्होंने मंत्री अविनाश गहलोत द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री इन्दिरा गांधी के विरूद्ध की गई टिप्पणी सदन के रिकॉर्ड पर मौजूद होने को लेकर सवाल उठाया।

राजस्थान की रीट परीक्षा में किसी ने गेट पर सिर पटका, किसी की नाक में चिपकाया टेप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में आज से रीट परीक्षा(राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड) की शुरूआत हो गई है। राज्य के तमाम परीक्षा सेंटर पर हैरतअंगेज नजारे भी देखने को मिले। एक सेंटर के बाहर एक अभ्यर्थी की नाक में टेप लगा हुआ दिखाई दिया। तो वहीं अन्य सेंटर पर एक लड़की गेट पर सिर पटकते दिखाई दी। अब ये वीडियो सोशल मीडिया पर घूमने लगे हैं। हर कोई हैरान है कि आखिर ऐसा क्यों ?

आज पेपर देने आए अभ्यर्थियों की कड़ी जांच हुई। महिलाओं की ज्वेलरी भी उतरवाई गई। हाथों में बंधे धागे और कपड़ों पर लगे एक्स्ट्रा बटन और लटकन जैसे फैंसी हिस्सों को हटा दिया गया। इस सुरक्षा जांच के बीच एक महिला अभ्यर्थी की नाक की बाली (नोज पिन) नहीं खुली तो सुरक्षा में लगे अधिकारियों ने टेप लगा दिया। इसके बाद महिला अभ्यर्थी की नाक पर टेप लगी तस्वीर सोशल मीडिया पर घूमने लगी। वहीं दूसरी तरफ एक महिला अभ्यर्थी परीक्षा सेंटर के गेट पर सिर पटकते हुए दिखाई दी। उसे पास खड़े पुलिस वाले ने ऐसा करने से रोका भी, लेकिन अभ्यर्थी ने कई बार गेट पर सिर पटका। दरअसल बताया जा रहा है कि अभ्यर्थी को एग्जाम सेंटर पहुंचने में देर हो गई थी। इसके चलते उसे परीक्षा सेंटर में अंदर जाने की अनुमति नहीं मिली। इसके बाद लड़की ने हताशा और गुस्से में खुदका सिर गेट पर कई बार पटका।

आपको बता दें कि आज दो पारी में परीक्षा होनी है। पहली पारी में करीब 4 लाख 61 हजार अभ्यर्थी रजिस्टर हैं, जबकि दूसरी में 5 लाख 41 हजार। इतनी बड़ी संख्या में परीक्षा देने आए लोगों को संभालना और परीक्षा को पारदर्शी ढंग से संपन्न कराना चुनौती भरा काम था। इसके चलते एग्जाम सेंटर पर कड़ी निगरानी देखने को मिली।

राज्य सरकार सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध : दीया कुमारी

जयपुर । कला, साहित्य, संस्कृति और पुरातत्व मंत्री दीया कुमारी ने कहा कि राज्य सरकार पुरातात्विक महत्व के देवालयों, प्राचीन मंदिरों एवं स्मारकों के संरक्षण तथा उन्नयन के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने आश्वस्त किया कि कि जैसलमेर में देवालयों और प्राचीन मंदिरों में मरम्मत और जीर्णोद्धार के सभी आवश्यक कार्य करवाए जाएंगे। कला, साहित्य, संस्कृति और पुरातत्व मंत्री गुरुवार को प्रश्नकाल में इस संबंध में सदस्य द्वारा पूछे गये पूरक प्रश्नों का जवाब दे रही थीं।

सदन की मर्यादा तार-तार करने में लगा सत्ता पक्ष, जूली ने कहा- ऐसा रवैया कभी नहीं देखा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने सदन में जारी गतिरोध के लिए सत्ता पक्ष को जिम्मेदार ठहराते हुए सदन में मर्यादाओं के तार–तार होने का आरोप लगाया।

विधानसभा के बाहर धरने के बाद जूली ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि सत्तापक्ष की सदन नहीं चलाने की मंशा के चलते सदन में विपक्ष को बोलने नहीं दिया जा रहा है। हम ससंदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल और सीएम भजनलाल शर्मा से गतिरोध दूर करने के लिए बात कर चुके, लेकिन विपक्ष को साथ लेकर चलने की इनकी मंशा नहीं है। सदन में पहले भी कई बार गतिरोध हुए हैं, लेकिन सत्तापक्ष का ऐसा रवैया कभी नहीं देखा। सत्तापक्ष ने अभी तक हमारे पास वार्ता के लिए कोई पहल नहीं की है। ये सरकार जनता के मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए सदन की कार्यवाही बाधित कर रही है। केबिनेट मंत्री के पूर्व प्रधानमंत्री पर टिप्पणी पर माफी मांगने और निलंबित विधायकों की बहाली तक गतिरोध बरकरार रहेगा।

युवाओं को विज्ञान और प्रौद्योगिकी में नवीन प्रयोगों के लिए प्रेरित करें : दिलावर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। दो दिवसीय राजस्थान विज्ञान महोत्सव एवं राष्ट्रीय विज्ञान दिवस– 2025 का उद्घाटन गुरुवार को एपेक्स यूनिवर्सिटी, जयपुर में आयोजित हुआ। यह कार्यक्रम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान भारती राजस्थान और अन्य शैक्षणिक एवं अनुसंधान संस्थानों के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि शिक्षा मंत्री श्री मदन दिलावर ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और विद्यार्थियों को विज्ञान एवं नवाचार में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने कहा कि भारत को 'विकसित भारत' बनाने में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। विज्ञान और नवाचार में उनकी भागीदारी ही उन्हें वैश्विक नेतृत्व प्रदान कर सकती है। हमें युवाओं को विज्ञान और प्रौद्योगिकी में नवीन प्रयोगों के लिए प्रेरित करना चाहिए जिससे वे वैश्विक स्तर पर अपने कौशल का प्रदर्शन कर सकें।

कार्यक्रम में विशेष अतिथि सांसद श्रीमती मंजू शर्मा (जयपुर शहर) ने विज्ञान और समाज के बीच मजबूत संबंध स्थापित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने विज्ञान को आमजन तक पहुँचाने और इसे सरल व प्रभावी बनाने की दिशा में इस प्रकार के आयोजनों को महत्वपूर्ण बताया।

नाबालिग लड़कियों के यौन शोषण मामले में गिरफ्तार चार आरोपियों को अदालत में पेश किया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के ब्यावर जिले के बिजयनगर थाना क्षेत्र में नाबालिग लड़कियों के यौन शोषण और उन्हें धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर करने के आरोप में गिरफ्तार पूर्व वार्ड पार्षद हकीम कुरैशी समेत चार आरोपियों को बृहस्पतिवार को अजमेर की एक अदालत में पेश किया गया। अदालत ने कुरैशी को पांच दिन की रिमांड पर पुलिस को सौंप दिया, जबकि तीन अन्य आरोपियों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। पुलिस ने बताया कि बिजयनगर में नाबालिग लड़कियों के यौन शोषण और उन्हें धर्मांतरण के लिए मजबूर करने के आरोप में नौ लोगों को गिरफ्तार किया गया है और तीन नाबालिगों को हिरासत में लिया गया है। अजमेर के पुलिस महानिरीक्षक ओम प्रकाश ने कहा, मामले में नौ लोगों को गिरफ्तार किया गया है और तीन नाबालिगों को हिरासत में लिया गया है। चार आरोपियों को आज अदालत में पेश किया गया। अदालत ने इनमें से तीन को जेल भेज दिया, जबकि पूर्व वार्ड पार्षद को रिमांड पर पुलिस को सौंप दिया। यह मामला लगभग 10 दिन पहले तब सामने आया था, जब एक नाबालिग लड़की के पिता के पर्स से 2,000 रुपये गायब हो गए थे। नाबालिग के पिता ने अपनी बेटी से पूछताछ की, तो उसने एक आरोपी को पैसे देने के लिए पर्स से पैसे चुराने की बात कबूली। बाद में लड़की की मां को अपनी बेटी के स्कूल बैग में एक चाइनीज मोबाइल फोन मिला, जिससे पता चला कि वह एक मुस्लिम युवक के संपर्क में थी। लड़की की बहन, जो नाबालिग है, उसके भी एक अन्य मुस्लिम युवक के संपर्क में होने की बात सामने आई। दोनों युवकों ने लड़कियों से अपनी अंतरंग मुलाकातों का वीडियो बना लिया था और उन पर रिश्ता जारी रखने के लिए दबाव डाल रहे थे। घटना के सामने आने के बाद से ब्यावर जिले के बिजयनगर कस्बे और आस–पास के इलाकों में सांप्रदायिक तनाव फैल गया है। पुलिस के मुताबिक, पिछले हफ्ते बिजयनगर पुलिस थाने में पांच अन्य नाबालिग लड़कियों के परिजनों से ऐसी शिकायतें मिलीं, जिसके बाद 10 लोगों के खिलाफ तीन प्राथमिकी दर्ज की गईं। लड़कियों की मेडिकल जांच रिपोर्ट और मोबाइल डेटा की फोरेंसिक रिपोर्ट लंबित है।

पुलिस के अनुसार, ज्यादातर गिरफ्तार आरोपी हिंदुओं के स्वामित्व वाले व्यवसायों में मजदूरी करते हैं। उसने कहा कि आरोपी पीड़ित लड़कियों को स्कूल से लौटते समय रास्ते में रोकते थे और एक कैबिन कैफे में ले जाते थे, जो उनसे 200 रुपये प्रति घंटे शुल्क लेता था। पुलिस ने इस अपराध में किसी बड़े संगठित गिरोह के शामिल होने की संभावना से इनकार किया है। उसने कहा है कि वह अन्य आरोपियों और उन्हें संरक्षण देने वालों की तलाश में जुटी है। वर्ष 1992 में अजमेर में भी इसी तरह की घटना सामने आई थी, जहां 100 से अधिक लड़कियों को एक गिरोह ने निशाना बनाया था। गिरोह के सदस्यों ने लड़कियों से दोस्ती कर आपत्तिजनक परिस्थितियों में उनकी तस्वीरें खींची थीं और फिर उनके साथ बलात्कार किया था। इस मामले में गिरफ्तार कुल 18 आरोपियों में कई को दोषी करार देते हुए उन्हें उम्रकैद की सजा सुनाई थी।

आध्यात्मिक पर्यटन का आधार कोई बन सकता है, तो वह उत्तर प्रदेश है : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महाकुंभनगर/भाषा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आस्था और अर्थव्यवस्था का जो दृष्टिकोण दिया है, उसके तहत आध्यात्मिक पर्यटन की असीम संभावनाएं हैं और देश में आध्यात्मिक पर्यटन का आधार कोई बन सकता है, तो वह उत्तर प्रदेश है। यहां सेक्टर-2 में मीडियाकर्मियों के साथ संवाद कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा, महाकुंभ वास्तव में एक वैश्विक आयोजन बन गया और इसकी सफलता का श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व को जाता है।

उन्होंने कहा, देश में आध्यात्मिक पर्यटन की असीम संभावनाएं हैं और उत्तर प्रदेश इसका आधार बन सकता है। योगी ने कहा, पिछले वर्ष लगभग 65 करोड़ श्रद्धालु और पर्यटक उत्तर प्रदेश में मंदिरों को लेकर प्रख्यात विभिन्न शहरों में आए थे, जिनमें अयोध्या, काशी, मथुरा-वृंदावन, प्रयागराज, चित्रकूट, विंध्याचल, गोरखपुर और नैमिषारण्य शामिल हैं।

उन्होंने कहा, अकेले प्रयागराज में पिछले 45 दिनों में 66 करोड़ 30 लाख पर्यटक और श्रद्धालु आ चुके हैं। प्रयागराज महाकुंभ ने उत्तर प्रदेश में आध्यात्मिक पर्यटन के पांच गलियारे उपलब्ध कराए। इनमें प्रयागराज से मिर्जापुर और काशी, प्रयागराज से अयोध्या और गोरखपुर, प्रयागराज से लालापुर, राजापुर और चित्रकूट, प्रयागराज से लखनऊ और नैमिषारण्य और प्रयागराज से बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे के रास्ते मथुरा-वृंदावन होते हुए शुक्रताल गलियारे शामिल हैं। योगी ने कहा, इन पांचों गलियारों में पिछले डेढ़ महीने में देश-दुनिया से लाखों की संख्या में श्रद्धालु आए।

महाकुंभ मेले के दौरान 45 दिनों में 100 देशों के लोग प्रयागराज पहुंचे, जिनमें 74 देशों के उच्चायुक्त और राजदूत शामिल हैं। इसके अलावा, 12 देशों के मंत्रियों और राष्ट्राध्यक्षों की उपस्थिति भी दर्ज की गई।

उन्होंने कहा, महाकुंभ के पूरे आयोजन में केंद्र और राज्य ने निर्माण कार्यों पर 7,500 करोड़ रुपये खर्च किए, जिसमें 200 से अधिक सड़कों, 14 फ्लाईओवर, नौ अंडरपास और 12 कॉरिडोर का निर्माण शामिल है। वहीं 15,000 से अधिक स्वच्छताकर्मी महाकुंभ में साफ-सफाई सुनिश्चित करने में जुटे रहे। मुख्यमंत्री ने कहा, परिवहन निगम की 7,500 से अधिक बसें लगाई गईं और 750 से ज्यादा शटल बसें चलाई गईं। सभी विभागों ने पूरी तत्परता के साथ मिलकर इस आयोजन को नई ऊंचाई पर पहुंचाया।

योगी ने महाकुंभ मेले के शानदार कवरेज के लिए मीडिया की सराहना की। उन्होंने कहा, आपने (मीडिया) देश-दुनिया को महाकुंभ के महत्व के बारे में बताने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मैं इसके लिए आपको धन्यवाद देता हूं।

महाकुंभ के सकुशल समापन पर मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने गंगा पूजन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महाकुंभ नगर (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाकुंभ 2025 के सकुशल संपन्न होने पर बृहस्पतिवार को यहां गंगा की विधि विधान से पूजा अर्चना की।

यहां जारी एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री हेलीकाप्टर से अरैल में बने हेलीपैड पर उतरे और वहां से संगम गए जहां पर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच उन्होंने मां गंगा की पूजा अर्चना की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, बृजेश पाठक और मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह, मंत्री नंद गोपाल गुप्ता भी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गंगा की पूजा अर्चना के साथ ही गंगा आरती भी की और घाट वापस लौटते समय साइबेरियाई पक्षियों को दाना भी खिलाया।

महाकुंभ के दौरान 16,000 से अधिक ट्रेनों का संचालन हुआ : रेल मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्रयागराज (उप्र)/भाषा। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने प्रयागराज महाकुंभ के 'सफल' आयोजन के लिए बृहस्पतिवार को यहां रेल कर्मियों का अभिनंदन किया और कहा कि इस भव्य आयोजन के दौरान 13,000 ट्रेनें चलाने की योजना थी लेकिन जरूरतों को ध्यान में रखते हुए 16,000 से अधिक ट्रेनों का संचालन किया गया। महाकुंभ के समाप्त होने के अगले दिन यहां पहुंचे वैष्णव ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा, 16,000 से अधिक ट्रेनों के जरिए 4.5 से 5 करोड़ यात्रियों को महाकुंभ लाया गया और उन्हें उनके गंतव्यों तक पहुंचाया गया। मैं सभी रेलकर्मियों को धन्यवाद देना चाहूंगा जिन्होंने एक होकर काम किया।

उन्होंने कहा, इस महाकुंभ की सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि राज्य और केंद्र के सभी विभागों और रेलवे के कर्मचारियों ने एक होकर काम किया। इसी तरह हम सभी एक हो जाएं तो कोई हमें हरा नहीं सकता। रेल मंत्री ने यहां रेलवे के विभिन्न कर्मचारियों और अधिकारियों से मुलाकात की और महाकुंभ के दौरान उनके परिश्रम और योगदान की सराहना करते हुए उनका आभार जताया।

वैष्णव ने कहा, पिछले कुंभ (2019) में हमने करीब 4,000 ट्रेनें चलाई थीं और इस बार उससे तीन गुना से अधिक ट्रेनें चलाने की योजना थी। हालांकि चार गुना ट्रेनें चलाई गईं। इसके लिए ढाई साल पहले से तैयारियां की जा रही थीं। उन्होंने कहा, इस महाकुंभ के लिए करीब 5,000 करोड़ रुपये का निवेश किया गया और 21 से अधिक फ्लाईओवर और अंडरपास बनाए गए जिसमें गंगा नदी पर नये पुल का निर्माण शामिल है। साथ ही हर स्टेशन पर होल्डिंग एरिया बनाए गए और यात्रियों के लिए उचित व्यवस्था की गई।

उन्होंने कहा कि इस दौरान नए तरीके के फुटओवर ब्रिज बनाए गए और रेलवे ने यात्रियों को ध्यान में रखकर हर तरह की व्यवस्थाएं की। उन्होंने कहा, मोदी जी ने हमें सिखाया है कि हमें श्रद्धालुओं की भीड़ नहीं कहनी चाहिए, बल्कि श्रद्धालु और भक्त कहना चाहिए और उनकी श्रद्धा और भक्ति में सहयोग देने की बात करनी चाहिए।

रेल मंत्री ने महाकुंभ के सफल आयोजन के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को धन्यवाद दिया। बाद में उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, धन्यवाद टीम भारतीय रेलवे, टीमउत्तर प्रदेश! महाकुंभ के सफल महायोजन के लिए आभार।''

उन्होंने इसके साथ ही एक वीडियो भी साझा किया, जिसमें वह रेलवे के विभिन्न कर्मचारियों और अधिकारियों से हाथ मिलाते और उनका साधुवाद करते दिख रहे हैं।

उद्योग जगत सरकार पर निर्भर रहने के बजाय प्रतिस्पर्धी बनने पर ध्यान दें : गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बृहस्पतिवार को उद्योग जगत से कहा कि वे साहसी बनें और समर्थन के लिए सरकार पर निर्भर रहने के बजाय प्रतिस्पर्धी बनने पर ध्यान दें। आईएमसी चैंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा यहां आयोजित एक कार्यक्रम में गोयल ने पूछा कि उद्योग कब तक सब्सिडी, उच्च आयात शुल्क और अन्य समान संरक्षणवादी उपायों की ''बैसाखियों'' पर निर्भर रहेगा।

उन्होंने कहा, हम कब तक सरकार की ओर (समर्थन के लिए) देखते रहेंगे? या, कब तक हम सब्सिडी और समर्थन, प्रोत्साहन, उच्च आयात शुल्क, संरक्षणवादी मानसिकता और विश्व के साथ अपने संबंधों में अत्यधिक रक्षात्मक होने की बैसाखी पर जीत हासिल करते रहेंगे? गोयल ने कहा, हमें एक राष्ट्र के रूप में इस संरक्षणवादी मानसिकता और कमजोर सोच से बाहर निकलने का फैसला करना होगा। उन्होंने आश्चर्य व्यक्त किया कि क्या माइकल पोर्टर का प्रतिस्पर्धात्मक लाभ पर किया मौलिक कार्य केवल तब तक प्रासंगिक है जब तक उद्योग के नेता व्यापार स्कूलों में हैं। मंत्री ने स्पष्ट किया कि प्रतिस्पर्धात्मकता उद्योग की नवप्रवर्तन, विनिर्माण पद्धतियों, कौशल और दक्षताओं के उन्नयन की क्षमता से आएगी। उन्होंने कहा, जब तक हम प्रतिस्पर्धी नहीं बनेंगे, 140 करोड़ भारतीयों की आकांक्षाएं सफल नहीं होंगी और हम विकसित देश बनने का लक्ष्य हासिल नहीं कर पाएंगे।

गोयल ने कहा कि जब तक देश व्यापार के माध्यम से विश्व के साथ अपनी भागीदारी बढ़ाने पर ध्यान नहीं देगा, तब तक वह विकसित राष्ट्र नहीं बन सकता। हालांकि, उन्होंने स्वीकार किया कि कुछ क्षेत्रों में अपवाद होंगे जहां देश वास्तव में आयात पर निर्भर है, जैसे तेल, रक्षा और खाद्य। कार्यक्रम में देर से पहुंचे गोयल ने कहा कि पिछले 10 दिन से वह थोड़ा भी आराम नहीं कर पाए हैं, क्योंकि वह अशांत ''वैश्विक स्थिति'' का सामना कर रहे हैं। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि वह ''विभिन्न गतिविधियों'' के कारण ''आधे मरे हुए'' हैं।

प्रधानमंत्री के 'विकसित भारत' के संस्करण ने तो आम लोगों की जेब ही खाली कर दी : खरगे

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि 100 करोड़ भारतीयों के पास खर्च करने के लिए कोई अतिरिक्त आय नहीं है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'विकसित भारत' के संस्करण ने तो आम लोगों की जेब ही खाली कर दी तथा चुनिंदा अरबपतियों के खजाने भर दिए। उन्होंने यह भी कहा कि भारत वैश्विक शुल्क को लेकर छिड़े युद्ध और व्यापार बाधाओं का सामना कर रहा है और केंद्रीय बजट की घोषणाएं बेमानी साबित हुई हैं। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष खरगे ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, नरेन्द्र मोदी जी, 100 करोड़ भारतीय नागरिकों के पास खर्च करने के लिए कोई अतिरिक्त आय नहीं है... हमारी जीडीपी का 60 प्रतिशत उपभोग पर निर्भर है। लेकिन भारत में केवल शीर्ष 10 प्रतिशत लोग ही ऐसे हैं जो आर्थिक विकास और उपभोग को बढ़ावा देते हैं। शेष 90 प्रतिशत लोग तो बुनियादी दैनिक जरूरतों की खरीद करने में भी सक्षम नहीं हैं। उन्होंने कहा, भारत में कर भुगतान करने वाली मध्यम वर्ग की 50% आबादी के मानदेय में पिछले दशक में बहुत कम वृद्धि हुई या कोई वृद्धि नहीं हुई है। ग्रामीण मजदूरी में नकारात्मक वृद्धि देखी जा रही है। संपत्ति का संकेंद्रण बढ़ रहा है और आपकी नीतियां सभी के बीच आय वितरित करने में विफल रही हैं।

राष्ट्रपति मुर्मू ने 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' का दौरा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

एकता नगर/भाषा। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने बृहस्पतिवार को गुजरात के नर्मदा जिले के एकता नगर (पूर्व में केवड़िया) में 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' का दौरा किया और भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल को श्रद्धांजलि अर्पित की।

गुजरात के चार दिवसीय दौरे पर आईं मुर्मू राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान और राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह को संबोधित करेंगी। 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' के अलावा वह कच्छ और धोलावीरा भी जाएंगी। राष्ट्रपति बुधवार रात एकता नगर पहुंचीं। भारत के राष्ट्रपति के आधिकारिक 'एक्स' हैंडल ने पोस्ट किया गया,

राष्ट्रपति द्रौपदी मर्मू ने केवड़िया में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' का दौरा किया और भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। गुजरात सरकार की एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि राष्ट्रपति ने सरदार सरोवर बांध और एकता नगर में जंगल सफारी पार्क का भी दौरा किया। विज्ञप्ति में कहा गया है, राष्ट्रपति को बांध निर्माण के दौरान आई कठिनाइयों, इसमें संग्रहित पानी की बड़ी मात्रा, दिन भर में बिजली उत्पादन, इसके नहर नेटवर्क और गुजरात एवं अन्य राज्यों के लोगों को इससे कैसे लाभ मिल रहा है, इस बारे में जानकारी दी गई। प्रेस सूचना ब्यूरो (पीआईबी) की एक विज्ञप्ति के अनुसार, बृहस्पतिवार शाम को राष्ट्रपति अहमदाबाद में राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान के 44वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी। विज्ञप्ति के अनुसार, राष्ट्रपति 28 फरवरी को गांधीनगर में राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय के तीसरे दीक्षांत समारोह में शामिल होंगी।

धानुका एग्रीटेक देश के सर्वश्रेष्ठ कृषि विज्ञान केंद्रों और वैज्ञानिकों को सम्मानित करेगी

dhanuka

देहरादून/भाषा। कृषि क्षेत्र की अग्रणी कंपनी धानुका एग्रीटेक देश में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके) और वैज्ञानिकों को वार्षिक पुरस्कार देगी, जिसमें नकद, ट्रॉफी और प्रमाणपत्र शामिल है। कृषि क्षेत्र में उत्कृष्टता को सम्मानित करने के लिए हर साल केवीके पुरस्कार दिए जाने के धानुका एग्रीटेक के प्रस्ताव को हाल ही में पंतनगर स्थित जीबी पंत कृषि और तकनीकी विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी की ओर से आयोजित 17वीं कृषि विज्ञान कांग्रेस में स्वीकार किया गया था।

कंपनी की ओर से देहरादून में जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक हिमांशु पाठक और अन्य वैज्ञानिकों के समर्थन वाली इस पहल का उद्देश्य कृषि विस्तार एवं नवाचार में उत्कृष्ट योगदान देने वालों को सम्मानित करना है। पंतनगर में 17वीं कृषि विज्ञान कांग्रेस को उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) गुरमीत सिंह और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह ने भी संबोधित किया था। दोनों नेताओं ने वैज्ञानिक समुदाय से नवाचार और आधुनिक तकनीकों के माध्यम से भारतीय कृषि में एक नई क्रांति लाने का आग्रह किया था। सिंह और धामी ने अनुसंधान और उसे अमल में लाए जाने के बीच के अंतर को दूर करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा था कि प्रयोगशाला में विकसित तकनीकों को खेत में लाकर ही किसानों की समृद्धि सुनिश्चित की जा सकती है और देश के कृषि विकास को गति प्रदान की जा सकती है।

ओडिशा में बिजली दरें बढ़ने पर कांग्रेस ने विरोध प्रदर्शन की चेतावनी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को चेतावनी दी कि यदि आगामी वित्त वर्ष 2025-26 से राज्य में बिजली दरों में बढ़ोतरी की गई तो पूरे ओडिशा में विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री पंचानन कानूनगो ने प्रेस वार्ता में कहा कि ओडिशा विद्युत नियामक आयोग (ओइआरसी) में बिजली दर बढ़ाने को लेकर सुनवाई चल रही है। विभिन्न बिजली आपूर्ति हितधारकों ने बिजली दरों में बढ़ोतरी के लिए ओईआरसी के समक्ष मांगें प्रस्तुत की हैं और आयोग उनकी याचिकाओं पर सार्वजनिक सुनवाई कर रहा है। इसलिए घरेलू उपभोक्ताओं के बीच यह आशंका है कि इस बार बिजली दरों में बढ़ोतरी हो सकती है। कानूनगो ने आरोप लगाया कि बिजली की थोक आपूर्ति करने वाली कंपनी और वितरण कंपनियां राज्य में बिजली दरों में बढ़ोतरी की मांग कर रही हैं। वर्ष 2024 के विस चुनाव से पहले भाजपा ने ओडिशा के लोगों को 300 यूनिट मुफ्त बिजली देने का वादा किया था। लेकिन अब मुफ्त बिजली देने के बजाय शुल्क में 12.42 पैसे प्रति यूनिट की वृद्धि का प्रस्ताव रखा है। हम पहले ही सरकार को चेतावनी देते हैं कि बिजली दरों में कोई बढ़ोतरी न की जाए। कांग्रेस नेता ने कहा कि यदि बिजली दरों में बढ़ोतरी हुई तो कांग्रेस पार्टी, पार्टी के छात्र, महिला और युवा शाखाएं उपभोक्ताओं के साथ मिलकर पूरे राज्य में आंदोलन शुरू करेंगी।

महाशिवरात्रि पर काशी विश्वनाथ मंदिर में 11.69 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाराणसी/भाषा। महाशिवरात्रि के मौके पर वाराणसी में श्रद्धालुओं का हुजूम उमड़ पड़ा और इस धार्मिक नगरी में बुधवार को 11.69 लाख से अधिक लोगों ने काशी विश्वनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की। बृहस्पतिवार को यहां जारी एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर स्थानीय प्रशासन ने श्रद्धालुओं के लिए व्यापक सुरक्षा व्यवस्था, भीड़ प्रबंधन उपाय और आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की। काशी विश्वनाथ मंदिर प्रशासन की देखरेख में निर्बाध दर्शन सुनिश्चित करने के लिए सुगम व्यवस्था की गई। बयान के मुताबिक, महाशिवरात्रि के मौके पर बुधवार को सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लग गईं।

इसमें कहा गया है, महाशिवरात्रि पर काशी विश्वनाथ मंदिर में 11.69 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना की। जबकि, फरवरी के महीने में औसतन पांच से छह लाख श्रद्धालु मंदिर में दर्शन के लिए आते हैं। बयान के अनुसार, महाशिवरात्रि पर श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना के साथ पारंपरिक जलाभिषेक किया। इस अवसर पर श्री काशी विश्वनाथ धाम और गंगा घाटों पर श्रद्धालुओं पर हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा की गई, जिससे वातावरण दिव्य हो गया।

सरकार मीडिया उद्योग को तेजी से हो रहे बदलावों के अनुकूल ढलने में मदद करने को तैयार : वैष्णव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बृहस्पतिवार को कहा कि सरकार मीडिया उद्योग को तेजी से हो रहे परिवर्तनों के अनुकूल ढलने में मदद करने के वास्ते तैयार है, क्योंकि यह पारंपरिक से डिजिटल मीडिया में बदलाव के दौर से गुजर रहा है। 'स्टोरीबोर्ड18-डीएनपीए कॉन्क्लेव' को दिए गए एक वीडियो संदेश में, वैष्णव ने डिजिटल मंचों द्वारा उनकी सामग्री के इस्तेमाल के लिए पारंपरिक मीडिया घरानों को उचित मुआवजा और कॉपीराइट जैसे मुद्दों को उठाया।

वैष्णव ने पारंपरिक मीडिया की भूमिका पर विचार-विमर्श करने के साथ साथ इस बात पर जोर दिया कि नये युग में तेजी से हो रहे बदलावों के अनुकूल ढलने में इसकी कैसे मदद की जा सकती है। उन्होंने कहा, युवा पीढ़ी पूरी

तरह से पारंपरिक मीडिया से डिजिटल मीडिया की ओर स्थानांतरित हो गई है। मंत्री ने कहा कि बदलाव के इस चरण में रोजगार, रचनात्मकता, कॉपीराइट मुद्दों और मीडिया उद्योग में सामग्री निर्माताओं (कंटेंट क्रिएटर) और अन्य हितधारकों के लिए उचित मुआवजा सुनिश्चित करने से संबंधित चुनौतियां भी सामने आईं।

वैष्णव ने कहा, सरकार के रूप में, हम इस बदलाव के दौरान आवश्यक कोई भी सहायता प्रदान करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने यह भी उम्मीद जताई कि इस बात पर विचार-विमर्श किया जायेगा कि यह बदलाव कैसे सुचारू रूप से और बिना किसी व्यवधान के किया जा सकता है।

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण सचिव संजय जाजू ने गलत सूचना और क्लिकबेट' पत्रकारिता के अनियंत्रित प्रसार को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इससे लोकतांत्रिक मूल्यों को नुकसान पहुंचता है। 'क्लिकबेट' पत्रकारिता, ऑनलाइन सामग्री में सनसनीखेज शीर्षक या भ्रामक तथ्यों और छवियों का इस्तेमाल करके पाठकों को क्लिक करने के लिए प्रोत्साहित करने का एक तरीका है।

सुविचार

सारी उम्र गुज़री यूं ही रिश्तों की तुरपाई में मन के रिश्ते पक्के निकले, बाकि उधड़ गए कच्ची सिलाई में।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

पाखंड का पर्दाफाश

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर के बारे में जो अनर्गल बयानबाजी की है, उसका जवाब देते हुए भारत ने इस पड़ोसी देश के पाखंड का पर्दाफाश किया है। पाक को हर मंच पर इसी तरह बेनकाब करने की जरूरत है। यह तीन दशक पुरानी दुनिया नहीं है, जब पाकिस्तान अपने झूठ को छिपाने में कामयाब हो जाता था। अब सोशल मीडिया के जमाने में उसकी आतंकी गतिविधियां खुलकर सामने आ रही हैं। भारत ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के 58वें नियमित सत्र में उत्तर देते हुए सत्य कहा कि 'पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय मदद पर टिका एक नाकाम देश है, जो अपने सैन्य-आतंकवादी गठजोड़ द्वारा फैलाए गए झूठ को आगे बढ़ाता है।' वास्तव में पाकिस्तान बहुत पहले भलीभांति बेनकाब किया जा सकता था, खासकर पश्चिमी देशों को उसका असल चेहरा दिखाया जा सकता था, लेकिन हमारे प्रयासों में कमी रही। एक ओर जहां पाकिस्तान झूठ की बुनियाद पर जम्मू-कश्मीर का मुद्दा उठाकर दुनिया से हमदर्दी बटोरता रहा, आतंकवादी शिविर चलाता रहा, वहीं हम उसके दुष्प्रचार का जवाब ही देते रहे। बल्कि जवाब भी पर्याप्त नहीं दिया गया। हमें आक्रामक ढंग से पाकिस्तान की पोल खोलनी चाहिए थी। वह किसी किस्म के दुष्प्रचार को हवा देता, उससे पहले ही दुनिया को बता देना चाहिए था कि उसके आंसू घड़ियाली हैं। इसके लिए अंग्रेजी, अरबी, रूसी, तुर्की, फ्रेंच, जर्मन, चीनी, स्पेनिश, जापानी जैसी भाषाओं में सामग्री का निर्माण कर संबंधित देशों में उसका खूब प्रचार करना चाहिए था। पाकिस्तान इतनी चालाकी से लोगों के दिलो-दिमाग में भारतविरोध की भावना पैदा करता है कि उन्हें पता ही नहीं चलता। सोशल मीडिया पर पाकिस्तानी धारावाहिक बहुत देखे जाते हैं। जब कभी उनके निर्माता किसी धारावाहिक की कामयाबी का जश्न मनाते हैं या कोई अवॉर्ड शो आयोजित करते हैं तो उसमें 'कश्मीर' शब्द जोड़ देते हैं।

चूंकि ये धारावाहिक भारत में भी बहुत लोग देखते हैं। इस तरह उनके मन में यह झूठी बात बैठाने की कोशिश की जाती है कि 'कश्मीर' के संबंध में पाकिस्तान का रुख सही है! क्यों? उसके धारावाहिकों के किरदार बड़े मासूम हैं! जिन किरदारों के साथ लोग खुद को जोड़कर देखने लगते हैं, उनसे जुड़ीं दूसरी बातों को भी सही मान लेते हैं। पाकिस्तान इन्हीं धारावाहिकों को अरबी और तुर्की भाषा में प्रस्तुत करता है। आसान शब्दों में कहें तो इन देशों की जनता से समर्थन जुटाने का चालाकी भरा पैंतरा! हमारे धारावाहिक निर्माता जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तानी साजिशों, आतंकवाद, कश्मीरी पंडितों पर अत्याचार, आम कश्मीरियों की ज़िंदगी में आईं मुश्किलों के बारे में बताने के लिए क्या कर रहे हैं? हम अरब देशों के लोगों को क्यों नहीं बताते कि पाकिस्तान ने कश्मीर घाटी को लहू-लुहान करने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी? वर्ष 2022 में आई एक फिल्म में जरूर यह दिखाया गया था। उससे पहले और बाद कितने निर्माताओं ने हिम्मत की थी? पाकिस्तान कर्ज लेकर भी दुनिया में अपना झूठ बेच रहा है। उसकी अर्थव्यवस्था तबाह हो गई, लेकिन वह दुष्प्रचार में पूरी ताकत लगा रहा है। हमें दुनिया के सामने सच रखने के लिए दृढ़ इच्छाशक्ति दिखानी होगी। दुर्भाग्य की बात है कि जो अनुच्छेद 370 जम्मू-कश्मीर में भेदभाव और अलगाववाद को बढ़ावा दे रहा था, जब उसे हटाया गया तो कुछ बुद्धिजीवी विरोध करने लगे! वे न्यायालय चले गए थे। एक राष्ट्रीय पार्टी के तत्कालीन सांसद ने तो लोकसभा में चर्चा के दौरान कहा था कि कश्मीर का मामला संयुक्त राष्ट्र में है! क्या हमें अपने घरेलू मामलों पर चर्चा करने, कानून बनाने के लिए संयुक्त राष्ट्र से हरी झंडी लेनी होगी? नेतागण हों या आम नागरिक, उन्हें राष्ट्र की एकता एवं अखंडता से जुड़े ऐसे मामलों पर बहुत सोच-समझकर टिप्पणी करनी चाहिए। इस दौर में ऐसा इसलिए ज्यादा जरूरी हो जाता है, क्योंकि सोशल मीडिया पर उन बयानों से 'तिल का ताड़' बनते देर नहीं लगती। पाकिस्तानी मशीनरी तो ऐसे मौके को लपकने के लिए तैयार ही बैठी है।

ट्वीटर टॉक

दुश्मन की गोलियों का सामना हम करेंगे आज़ाद ही रहे हैं आज़ाद ही रहेंगे भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महान क्रांतिकारी आपार साहस से लबरेज़ श्री चन्द्रशेखर आज़ाद जी की पुण्यतिथि पर विनम्र श्रद्धांजलि।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

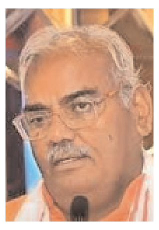

उदयपुर में 'शिक्षा संजीवनी बीमा योजना' का शुभारंभ किया। इस योजना के तहत सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले 1.30 लाख बच्चों को 1 लाख रुपए का दुर्घटना बीमा कवर मिलेगा। बच्चों की शिक्षा में निरंतरता, बालश्रम पर रोक को प्रोत्साहित करना हमारा उद्देश्य है।

-मदन दिलावर

हौसले की उड़ान हो तो मंजिल दूर नहीं होती। अवनि लेखरा ने अपने जज्बे से पैरालंपिक्स में दो स्वर्ण पदक जीतकर दिखा दिया कि मजबूत इरादों के आगे कोई भी चुनौती टिक नहीं सकती। उनकी जीत हर उस महिला के लिए नई उम्मीद है।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

सेहत का मंत्र

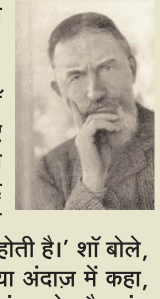

विख्यात विचारक बर्नार्ड शॉ के एक डॉक्टर मित्र अक्सर बीमार रहते थे। एक दिन शॉ ने संदेश भेजा, 'कभी फुरसत में हों तो मेरा हालचाल पूछ कर जाएं।' डॉक्टर तुरंत आए, लेकिन सीढ़ियां चढ़ते ही हांफने लगे। शॉ ने उन्हें आराम-कुर्सी दी, पानी पिलाया और मुस्कुराते हुए बोले, 'मैं उम्र में आपसे बड़ा हूं, फिर भी इन सीढ़ियों पर दिन में तीन बार चढ़ता-उतरता हूं और कभी नहीं हांफता। यदि आप चाहें तो मैं इसका नुस्खा बता सकता हूं।' डॉक्टर ने उत्सुकता से पूछा, 'कृपया बताइए, यह समस्या मुझे अक्सर होती है।' शॉ बोले, 'अपनी खुराक में एक-तिहाई कटौती कर दें।' फिर मज़ाकिया अंदाज़ में कहा, 'अब नुस्खा बताने की फीस पांच शिलिंग दीजिए।' डॉक्टर हंस पड़े और पांच शिलिंग शॉ को दे दिए। शॉ अपने मित्रों को इसी तरह बुलाकर स्वास्थ्य का यह अचूक मंत्र देते और उनसे पांच शिलिंग वसूलते थे। शा कहते थे-स्वास्थ्य के लिए संयमित आहार और संतुलित जीवनशैली आवश्यक है।

सामयिक

महाकुंभ की सफलता ने दुनिया को चौंकाया

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

समुद्र मंथन के दौरान निकले कलश से छलकीं अमृत की चंद बूंदों से युगों पहले शुरू शुरू हुई कुंभ स्नान की परंपरा का तीर्थराज प्रयागराज की धरती पर बीते 13 जनवरी से आयोजित हुए दिव्य-भव्य और सांस्कृतिक-धार्मिक समागम महाकुम्भ ने बुधवार को महाशिवरात्रि के अंतिम स्नान पर्व पर 66 करोड़ का आंकड़ा पारकर अनूठा एवं विलक्षण इतिहास रच दिया। दुनिया के सबसे बड़े सनातन समागम पर बने नये कीर्तिमानों ने न केवल दुनिया को चौंकाया बल्कि विस्मित भी किया, इस महा रिकॉर्ड को स्थापित कर इस महाकुम्भ को संख्या के लिहाज से इतिहास के पन्नों में दर्ज करा दिया, जो न केवल दुनिया को चौंकाने वाला बल्कि सनातन परम्परा का परचम फहराने वाला दुनिया का अकेला आयोजन बन गया है। इस सफल आयोजन से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का कद बढ़ गया है। इस महा अनुष्ठान ने पूरे विश्व को सनातनी एकता का संदेश तो दिया है, यह भी प्रमाणित किया है कि उत्तर प्रदेश अब हर स्तर पर सक्षम प्रदेश बन चुका है। प्रदेश की कानून व्यवस्था को एक नये अध्याय के रूप में देखा जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में आयोजित यह मानवता का महायज्ञ, आस्था, एकता और समता का महापर्व बना, जो न केवल अनेक दृष्टियों से महत्वपूर्ण बना बल्कि दुनिया में भारत की एक नई छवि, भीड़ प्रबंधन, सनातन एकता के लिये अमिट आलेख बन गया है। सनातन गहराई को मापने वालों को बधाई, इससे नई पात्रता का निर्माण होगा, जहां हमारी हिन्दू संस्कृति पुनः अपने मूल्यों एवं संगठन के साथ नई शक्ल एवं ताकत के रूप में प्रतिष्ठापित होगी।

यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में दर्ज महाकुंभ को केंद्र और प्रदेश की सरकारें विश्व समुदाय के समक्ष अद्भुत एवं विलक्षण रूप में प्रस्तुत करने में ऐतिहासिक रूप से सफल रही है। पूज्य अखाड़ों, साधु-संतों, महामंडलेश्वरों एवं धर्माचार्यों के पुण्य आशीर्वाद का ही प्रतिफल है कि समरसता का जितने श्रद्धालु एवं हिन्दू 45 दिनों के अंदर प्रयागराज में बनाए गए एक अस्थायी शहर में जुटे, यह संख्या कई देशों की आबादी से भी कई गुना अधिक है। 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी संगम में सनातन आस्था की पावन डुबकी लगाकर धार्मिक और सांस्कृतिक एकता की अद्वितीय मिसाल कायम कर दी है। अमेरिका आबादी से दोगुनी से ज्यादा, पाकिस्तान की ढाई गुना से अधिक और रूस की चार गुणा से ज्यादा आबादी के बराबर श्रद्धालु यहां आये हैं। यही नहीं, जापान की 5 गुनी आबादी, यूके की 10 गुनी से ज्यादा आबादी और फ्रांस की 15 गुनी से ज्यादा आबादी ने यहां आकर त्रिवेणी संगम में पावन डुबकी लगा ली है। चौंकाने वाली बात यह है कि दुनिया में किसी भी धार्मिक, सांस्कृतिक या अन्य आयोजनों में इतनी भीड़ नहीं जुटी है। उदाहरण के लिए सऊदी अरब में हर साल होने वाले हज में करीब 25 लाख मुस्लिम मक्का में एकत्रित होते हैं। दूसरी तरफ इराक में हर साल होने वाले अरबईन में दो दिन में 2 करोड़ से अधिक तीर्थयात्री जुटते हैं। प्रयागराज में 45 दिन में जुटे श्रद्धालुओं की संख्या दुनिया के 231 देशों की आबादी से ज्यादा है। सिर्फ भारत और चीन की आबादी ही प्रयागराज पहुंचे लोगों की संख्या से ज्यादा है।

जितनी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया, वह अकल्पनीय है, विश्व में इतने विशाल जनसमूह को आकर्षित एवं नियोजित करने वाले धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक आयोजन की कोई दूसरी मिसाल नहीं मिलती। इस सफल एवं ऐतिहासिक आयोजन से विपक्षी दल एवं नेता बौखलाये हुए हैं और अपने बेतूके एवं अनर्गल प्रलाप से न केवल इस आयोजन की सफलता-गरिमा को धुंधलाना चाहते हैं बल्कि सनातन संस्कृति का उपहास उड़ा रहे है। कुछ तथाकथित प्रगतिशील और धर्मनिरपेक्षतावादी लोगों को सनातन धर्म से जुड़ा हर पर्व और परंपरा रास नहीं आती, लेकिन प्रश्न यह है कि क्या वे अन्य मतावलंबियों के ऐसे धार्मिक-सांस्कृतिक आयोजनों पर उसी तरह की टीका टिप्पणी करते हैं जैसी उन्होंने महाकुंभ को लेकर की। आखिर हिन्दू समाज अपने अस्तित्व एवं अस्मिता पर हो रहे

महाकुंभ भारत की हिन्दू संस्कृति, आस्था और एकता का प्रतीक है। भारत एक हिंदू राष्ट्र है यह न केवल हमारा विश्वास है बल्कि ऐतिहासिक, औपचारिक और सामाजिक सत्य भी है। भले ही भारतीय संविधान ने इसे औपचारिक रूप से हिंदू राष्ट्र न घोषित किया हो, लेकिन भारत का अस्तित्व और उसकी आत्मा सनातन धर्म में रची बसी है। इस तथ्य को न केवल भारत के नागरिक बल्कि समूची दुनिया भी स्वीकार करती है। भारत की पहचान केवल एक भौगोलिक इकाई तक ही सीमित नहीं है, यह एक महान सनातनी सभ्यता है, जिसकी जड़े हजारों वर्षों पुरानी है।

इन हमलों एवं आघातों के लिये अब जागरूक एवं संगठित नहीं होगा तो कब होगा?

प्रयागराज महाकुंभ लोगों के स्नान, रहने, चिकित्सा, यातायात व्यवस्था, भीड़ प्रबंधन, स्वच्छता और सुरक्षा की शानदार एवं ऐतिहासिक व्यवस्थाएं देखकर दुनिया भौचक रह गयी। भीड़ प्रबंधन में आर्टिफिशियल इंटिलेंजेंस का उपयोग और ड्रोन व एंटी ड्रोन सिस्टम से संदिग्धों पर निगाह रखना भविष्य की पुलिसिंग की तस्वीर प्रस्तुत करता है। यही कारण है कि विश्व के कई देशों के विशेषज्ञ यहां भीड़ प्रबंधन पर शोध करने पहुंचे हैं। इतने बड़े आयोजन में एक दो घटनाएं इतनी महत्वपूर्ण नहीं, जितना यह कि यहां आने वाला हर श्रद्धालु उल्लास और यहां की आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत हो लौटा। महाकुंभ ने उन सभी स्थानों के लिए एक मानदंड प्रस्तुत किया है, जहां कुंभ अर्धकुंभ के आयोजन होने हैं। यह ठीक है कि जिस आयोजन में प्रतिदिन एक-दो करोड़ लोगों की भागीदारी होती हो, वहां कुछ समस्याएं हो सकती हैं और वे दिखीं भी, लेकिन इसका यह अर्थ नहीं कि इस आयोजन को विफल बताने की कोशिश की जाए अथवा यह कहा जाए कि श्रद्धालुओं को उनके हाल पर छोड़ दिया गया है।

महाकुंभ भारत की हिन्दू संस्कृति, आस्था और एकता का प्रतीक है। भारत एक हिंदू राष्ट्र है यह न केवल हमारा विश्वास है बल्कि ऐतिहासिक, औपचारिक और सामाजिक सत्य भी है। भले ही भारतीय संविधान ने इसे औपचारिक रूप से हिंदू राष्ट्र न घोषित किया हो, लेकिन भारत का अस्तित्व और उसकी आत्मा सनातन धर्म में रची बसी है। इस तथ्य को न केवल भारत के नागरिक बल्कि समूची दुनिया भी स्वीकार करती है। भारत की पहचान केवल एक भौगोलिक इकाई तक ही सीमित नहीं है, यह एक महान सनातनी सभ्यता है, जिसकी जड़े हजारों वर्षों पुरानी है। ऋग्वेद, उपनिषद, महाभारत, रामायण, पुराण और स्मृतियां हमारे सांस्कृतिक आधारस्तंभ है। यहीं से वसुधैव कुटुंबकम और सर्वे भवंतु सुखिनः जैसे महान विचार जन्म लेते हैं। यदि हम इतिहास को देखें, तो भारत में वैदिक काल से ही हिंदू संस्कृति का वर्चस्व रहा है। मौर्य, गुप्त, चोल, मराठा और अन्य हिंदू राजवंशों ने भारत की सांस्कृतिक और राजनीतिक एकता को बनाए रखा। विदेशी आक्रमणों और औपनिवेशिक शासनों के बावजूद, हिंदू समाज अपनी जड़ों से कभी नहीं हटा। भारत को हिंदू राष्ट्र कहने का अर्थ यह नहीं है कि यहां अन्य धर्मों के लिए स्थान नहीं है। हिंदू संस्कृति सदैव सर्वसमावेशी रही है।

हिन्दू आस्था से नफरत करने वाले ये लोग सदियों से किसी न किसी शक्ल में रहते रहे हैं। गुलामी की मानसिकता से घिरे ये लोग हिन्दू मठों, मंदिरों, संतों, संस्कृति व सिद्धांतों पर हमला करते हुए राजनीति करते रहे हैं। हिन्दू समाज को बांटना, उसकी एकता को तोड़ना ही इनका एजेंडा हैं। आज विश्व भारत को केवल एक राष्ट्र राज्य के रूप में नहीं देखता बल्कि उसे सनातन संस्कृति की जन्मभूमि और हिंदू राष्ट्र के रूप में पहचानता है। नेपाल, इंडोनेशिया, थाईलैंड, कंबोडिया जैसे देशों की संस्कृति पर भारत का गहरा प्रभाव रहा है। हाल ही में इंडोनेशिया के राष्ट्रपति के शपथ ग्रहण समारोह में भगवद्गीता का पाठ किया गया, जो इस बात का प्रमाण है कि विश्व भारत को हिंदू राष्ट्र के रूप में स्वीकार कर रहा है। अमेरिका और यूरोप में भी योग, वेदांत और भगवद्गीता के प्रति बढ़ती रूचि यह दर्शाती है कि हिंदू जीवन दर्शन वैश्विक स्तर पर स्वीकार किया जा रहा है। महाकुंभ के खिलाफ़ दुष्प्रचार की आंधी से हिन्दू धर्म एवं संस्कृति को धुंधलाने की कुचेष्टा एवं षडयंत्र है। यह सनातन धर्म पर प्रहार न केवल निंदनीय है बल्कि शर्मनाक भी है। कुंभनगरी में सबसे ज्यादा फोकस सेक्टर-18 पर रखा गया, यहां वीआईपी गेट भी बनाया गया, इस पॉइंट पर 72 देशों के ध्वज लगे, जिनके नुमाइंदे ही नहीं, बल्कि लगभग 180 देशों के लोगों ने महाकुंभ में सम्मिलित होकर महाकुंभ के भव्य, व्यवस्थित एवं सफल आयोजन की भरपूर सराहना की है। अनेक विदेशी ने सनातन धर्म में दीक्षित हुए है।

नजरिया

आधुनिकता की चकाचौंध में गायब होते संस्कार

डॉ. सुनील जैन 'संचय'

संस्कारों का हमारे जीवन में विशेष महत्व है। यदि संस्कार न हों तो हमारी सामाजिक जिम्मेदारियां और सामाजिक भागीदारी शून्य होगी। संस्कार का अर्थ अच्छे कार्यों, गुणों और नैतिक मूल्यों का पालन करने से है। संस्कार हमें श्रेष्ठ बनाते हैं। अपने कार्यों और व्यवहार से ही यह सुनिश्चित होता कि हम किस परिवेश से बाहर आए हैं। संस्कारों से व्यक्ति के व्यक्तित्व का विकास होता है और समाज में सामंजस्यपूर्ण संबंध बनते हैं। संस्कारों से व्यक्ति नैतिक और सामाजिक रूप से विकसित होता है। संस्कारों के ज़रिए ही व्यक्ति समाज में अपना योगदान दे सकता है।

भारत की संस्कृति व सभ्यता में प्राचीन समय से ही प्रत्येक कार्य के पीछे तर्क व वैज्ञानिक आधार रहा है। हमारी संस्कृति पूरे विश्व को जीवन मार्ग पर चलना सिखाती थी, तभी भारत को विश्व गुरु जैसी उपमाओं से अलंकृत किया जाता रहा है। लेकिन देश-प्रदेश के वर्तमान परिदृश्य का आकलन करें तो आज समाज का अधिकांश वर्ग आधुनिकता की अंधी दौड़ में अपनी संस्कृति व संस्कारों को भुला चुका है। आजकल की युवा पीढ़ी नैतिकता तथा शिष्टाचार को भूल सी गई है। संस्कारों का अभाव कहीं भी देखने को मिल सकता है। युवा पीढ़ी में संस्कार, नैतिकता व शिष्टाचार की कमी न हो, इसके लिए हमें स्वयं से ही शुरुआत करनी होगी। संस्कार यानी हमारी जड़ें हमारी पहचान, संस्कार शिष्टाचार एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को हस्तातरित होते आए हैं।

नैतिकता की आधुनिक युग में कमी होती जा रही है। अनैतिकता बढ़ने के कारण शिष्टाचार में कमी आ रही है। जैसे-जैसे इंटरनेट व सोशल मीडिया का प्रभाव बढ़ रहा है वैसे-वैसे हम नैतिकता को भूल रहे हैं। सोशल मीडिया का प्रयोग गलत नहीं है। यह हमारे ज्ञान के स्तर को बढ़ाता है, लेकिन आज कुछ बच्चे इसका गलत प्रयोग कर अपने संस्कारों को भूल रहे हैं। आजकल बच्चे बड़ों का आदर करना भूल रहे हैं। हमें आधुनिक बनना चाहिए, लेकिन अपने संस्कारों को नहीं भूलना चाहिए।

समाज में व्यक्ति की वह जड़ें संस्कृति है, जिससे जुड़ा रहना व्यक्ति के लिए आवश्यक होता है। संस्कृति से कटा हुआ व्यक्ति कटी डोर की पतंग की भांति होता है जो उड़ तो रहा होता है लेकिन मंजिल व रास्ता तय नहीं होता, न ही पता होता है कि वह कटा हुआ पतंग कहां जाएगा। वैसा ही हाल समाज में जब कोई व्यक्ति अपनी सांस्कृतिक जड़ों से कट जाता है तो अपना आधार खो देता है। वर्तमान परिदृश्य में समाज को देखें तो देखने को मिल जाता है कि युवा पीढ़ी अपनी संस्कृति को दिन-प्रतिदिन पीछे छोड़कर आधुनिकता की अंधी दौड़ में दौड़ी जा रही है। संस्कृति-संस्कार समाज के ऐसे अभिन्न अंग हैं जिनसे समाज तय होता है। कहा जाता है कि जिस प्रकार की संस्कृति व संस्कार किसी समाज में प्रचलित होंगे, उसी तरह का समाज निर्माण होगा। आज के समाज में संस्कारों का ह्रास हो रहा है। संस्कारों के अभाव के कारण युवा पीढ़ी नशे और अपराधों में घिरती जा रही है। संस्कारों की कमी के कुछ कारण बड़ों के प्रति अनादर, कुतर्क और मनमानी, संवेदनहीनता, पाश्चात्य संस्कृति को अपनाने की होड़, माता-पिता का संस्कारों के प्रति उदासीन रवैया है।

आधुनिकता की होड़ में आज युवा पीढ़ी न जाने कितने कुकर्म की आदि होती जा रही है। दुल्हन सुट्टा लगाते, चिलम फूंक रही है, हाथ में शराब का गिलास हैं, तो कभी नीचे से लहँगा गायब, शॉर्टर्स पहन फोटोशूट कराया जा रहा है। हम देख रहे हैं बातें बना रहे है किंतु रोक नहीं पा रहे। आधुनिकता के फेर में बच्चे अब बड़ों की बात नहीं सुनते। पर हम इसका विरोध नहीं कर पाते बल्कि हमारे घर की बेटियाँ प्री-वेडिंग शूट के नाम पर इनका अनुकरण करने लगी हैं। विवाह एक गरिमामयी पवित्र बंधन और संस्कारों में सबसे प्रमुख संस्कार है यह भी भूल चले हैं। अब इवेंट्स मैनेजमेंट, प्री वेडिंग शूट जैसे चोंचलों की आड़ में हर तरह की अश्लीलता का सरेआम प्रदर्शन हो रहा है। हम हमारे संस्कारों की धज्जियां उड़ाने वाले टीवी सीरियल, नौटंकी, फिल्मों और फिल्मी लोगों की शादियों से प्रभावित हो कर अपने पवित्र संस्कारों को नष्ट करने पर तुले हैं। फ़ोटोग्राफ़र के कहने पर सबके सामने जैसा वो करवाता है करते जा रहे हैं। यह ऐसा अंधानुसरण है जिसका परिणाम टूटते परिवारों और विवाह विच्छेद के बढ़ते प्रकरणों के रूप में सामने आने लगा है और इसके पीड़ित ही इसके अप'राधी भी हैं।

आधुनिक होने की बातें की जाती हैं, मगर ये आधुनिक और स्मार्ट व्यक्ति नहीं बल्कि इनके महंगे-महंगे स्मार्टफोन हैं जिनसे लोगों को लगता है कि वे भी इन मोबाइलों की तरह स्मार्ट हैं, लेकिन यह सबसे बड़ा भ्रम है। आज का मनुष्य इतना निर्भर प्रवृत्ति में लीन हो गया है कि केवल सब कुछ आर्टिफिशियल चाहिए, स्वयं कुछ भी नहीं करना है। वो कहा जाता है न कि आज के मनुष्य सोशल मीडिया में तो सोशल होना चाहते हैं, मगर सामाजिक नहीं बनना चाहते। केवल नाम से आधुनिकतावादी कहलाना चाहते हैं। यह आधुनिकतावादी होने का भ्रम लोगों को अपने मस्तिष्क से निकालकर व्यावहारिक जीवन में चिंतन करके अपनी जड़ों से जुड़कर अपनी संस्कृति व सभ्यता को जानना चाहिए, तभी आधुनिकतावादी कहलाने का कोई औचित्य रह पाता है, अन्यथा मानव इतना अधिक व्यक्तिवादी हो रहा है कि उसे कोई फर्क नहीं पड़ता कि साथ वाले घर में रह रहे व्यक्ति को क्या समस्या है?

संस्कारों के महत्व को समझते हुए, समाज में संस्कारों को फिर से लाने के लिए नैतिक, सामाजिक, धार्मिक, आर्थिक, सांस्कृतिक मूल्यों का प्रचार-प्रसार करना होगा। ईश्वर में आस्था, धर्म में निष्ठा, परोपकार, दया-करुणा जैसे मूल्यों को समावेश करना होगा। सब कुछ कॉपी हो सकता है लेकिन चरित्र, व्यवहार, संस्कार और ज्ञान नहीं। बच्चों को अगर उपहार ना दिए जाए तो वह कुछ ही समय तक रोएगा लेकिन संस्कार ना दिए जाए तो वह जीवन भर रोएगा। गाड़ी में अगर ब्रेक ना हो तो दुर्घटना निश्चित है, जीवन में अगर संस्कार और मर्यादा ना हो तो पतन निश्चित है। अच्छे संस्कार किसी बड़े मॉल से नहीं परिवार के माहौल से मिलते है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

गाजा में स्थित गलियारे से सैनिकों को हटाने से इजराइल का इनकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

खान यूनिस/एपी। इजराइल संघर्ष विराम के तहत गाजा में एक रणनीतिक गलियारे से पीछे नहीं हटेगा। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। इजराइल के इस फैसले से संघर्ष विराम को लेकर हमास और प्रमुख मध्यस्थ मिस्र के साथ संकट पैदा हो सकता है।

अधिकारी ने नाम सार्वजनिक नहीं करने की शर्त पर कहा कि इजराइली बलों को मिस्र से लगी गाजा की सीमा पर स्थित तथाकथित फिलाडेल्फी गलियारे में बने रहने की जरूरत है। हालांकि बहुत कुछ पश्चिम एशिया के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूत स्टीव विटकॉफ पर निर्भर करेगा, जो आने वाले दिनों में क्षेत्र की यात्रा कर सकते हैं।

इजराइल के फैसले पर हमास या मिस्र की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। लेकिन बृहस्पतिवार को हमास ने कहा कि गाजा में अब भी बंधक बनाए गए दर्जनों लोगों की रिहाई के लिए इजराइल के पास एकमात्र रास्ता बातचीत और युद्धविराम समझौते का पालन करना है। समूह ने चेतावनी दी कि युद्धविराम से पीछे हटने का कोई भी प्रयास बंधकों और उनके परिवारों के लिए और अधिक पीड़ादायक होगा।

हमास ने इजराइल द्वारा कैद किए गए 600 से अधिक फलस्तीनियों की रिहाई के बदले चार बंधकों के शव सौंपने के बाद कहा कि वह गाजा में संघर्ष विराम के अगले चरण पर वार्ता करने के लिए तैयार है। दोनों पक्षों के बीच इस सप्ताह के अंत में खत्म होने जा रहे एक संघर्ष विराम समझौते के तहत कैदियों-बंधकों की अदला-बदली का यह अंतिम चरण था। दूसरे चरण पर बातचीत अभी शुरू नहीं हुई है। इस चरण के तहत हमास को कैदियों की रिहाई और एक स्थायी युद्ध विराम के बदले में दर्जनों शेष बंधकों को रिहा करना है।

बंधकों के परिवारों का प्रतिनिधित्व करने वाले एक इजराइली समूह ने कहा कि बृहस्पतिवार को तड़के सौंपे गए सभी चार बंधकों के शवों की पहचान कर ली गई है। 'होस्टेजेस एंड मिसिंग फैमिलीज फोरम' ने बताया कि ओहाद याहालोमी, इत्जाक एल्गरात और श्लोमो मंत्जूर, साशी इदान के शवों की पहचान हो गई है।

मंत्जुर (85) की मौत हमास के 7 अक्टूबर, 2023 के हमले में हुई थी। युद्ध शुरू होने के बाद उनके शव को इलाके में ले जाया गया था। इजराइल ने कहा कि अन्य तीन लोग कैद में मारे गए, हालांकि उसने इस बारे में विस्तार से नहीं बताया।

इजराइली राष्ट्रपति इसहाक हर्जोग ने कहा, बुरी खबर सुनकर हमारा मन कचोट रहा है।

इस दर्दनाक क्षण में, यह जानकर कुछ सांत्वना मिलती है कि उन्हें (मंत्जुर को) इजराइल में सम्मान के साथ दफनाया जाएगा। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि वह फ्रांसीसी नागरिक याहालोमी के परिवार और प्रियजनों की अत्यधिक पीड़ा को समझ सकते हैं। हमास ने पुष्टि की है कि 600 से अधिक कैदियों को बीती रात रिहा कर दिया गया है।

सेमिनार

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गुरुवार को भोपाल में ओरिएंटल ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट्स में 'एक राष्ट्र-एक चुनाव' पर एक सेमिनार में भाग लेते हुए।

समारोह

अभिनेत्री उर्वशी रौतेला और धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री गुरुवार को मध्य प्रदेश के छतरपुर के गढ़ा में बागेश्वर जन सेवा समिति द्वारा आयोजित सामूहिक विवाह समारोह में शामिल हुए।

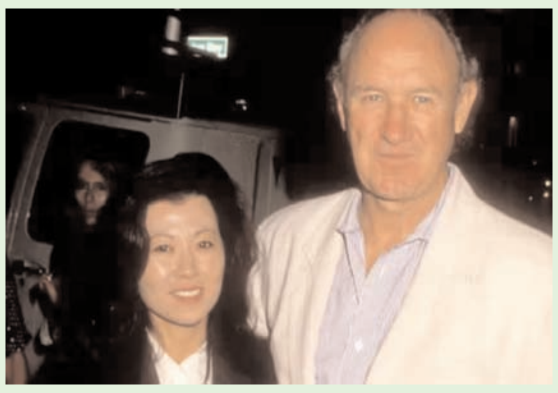

ऑस्कर विजेता अभिनेता जीन हैकमैन व उनकी पत्नी अपने घर में मृत मिले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लॉस एंजिलिस/एपी। हॉलीवुड फिल्म द फ्रेंच कनेक्शन और अनफॉरगिवेन में अपनी भूमिकाओं के लिए ऑस्कर पुरस्कार से सम्मानित 95 वर्षीय अभिनेता जीन हैकमैन और उनकी पत्नी बुधवार को न्यू मैक्सिको स्थित अपने घर में मृत मिले। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। हैकमैन 1960 के दशक से लेकर सिनेमा जगत से संन्यास लेने तक रुपहले पर्दे पर दिखे और उन्होंने अलग अलग भूमिकाएं निभाईं। हैकमैन फिल्म जगत के सबसे सम्मानित कलाकारों में से एक थे। उन्होंने दर्जनों फिल्में की हैं। उन्हें द फ्रेंच कनेक्शन और अनफॉरगिवेन में उनकी भूमिकाओं के लिए ऑस्कर से नवाज़ा गया था। उन्होंने 'सुपरमैन' फिल्म में खलनायक का किरदार निभाया था।

अधिकारियों को उनकी मौत के संबंध में किसी साजिश का संदेह नहीं है, लेकिन अधिकारियों ने उनकी मौत की परिस्थितियों का कोई विवरण भी जारी नहीं किया है तथा कहा है कि मामले की जांच की जा रही है। सांता फे काउंटी शेरिफ कार्यालय के प्रवक्ता डेनिस एविला ने कहा कि बुधवार को स्थानीय समयानुसार दोपहर करीब पौने दो बजे घर की जांच करने के अनुरोध पर पुलिस वहां पहुंची और हैकमैन तथा उनकी पत्नी बेटसी अराकावा के साथ उनके कुत्ते मृतावस्था में मिले। अमेरिकी फिल्मकार कोपोला ने 'इंस्टाग्राम' पर कहा कि वह हैकमैन के निधन पर दुख जताते हैं और सिनेमा जगत में उनके योगदान की सराहना करते हैं। उन्होंने कहा कि हैकमैन एक महान अभिनेता थे और उनका अभिनय प्रेरणादायक और शानदार हैं।

भारत का वर्ष 2026 तक दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता बाजार बनने की संभावना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। देश में निजी उपभोग 2013 के 1,000 अरब अमेरिकी डॉलर से करीब दोगुना होकर 2024 में 2,100 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया है। यह सालाना 7.2 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है, जो अमेरिका, चीन और जर्मनी से अधिक है। डेलॉयट इंडिया द्वारा बृहस्पतिवार को रिटेलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के साथ मिलकर जारी की गई 'भारत का बदलता विवेकाधीन खर्च : ब्रांड के लिए महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि' शीर्षक वाली रिपोर्ट में कहा गया, 2026 तक दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता बाजार बनने की राह पर आगे बढ़ते हुए भारत जनसांख्यिकीय लाभांश का लाभ उठाने के लिए अच्छी स्थिति में है। रिपोर्ट में कहा गया है कि जर्मनी को पीछे छोड़ते हुए भारत की निजी खपत 2013 के 1,000 अरब डॉलर से लगभग दोगुनी होकर 2024 में 2,100 अरब डॉलर हो गई है। भारत की खपत 2013-23 के दौरान 7.2 प्रतिशत की सालाना दर से बढ़ी है, जो चीन, अमेरिका और जर्मनी से अधिक है।

इसमें कहा गया, ''वर्ष 2030 तक 10,000 अमेरिकी डॉलर से अधिक कमाने वाले भारतीयों की संख्या करीब तीन गुना हो जाने की उम्मीद है, जो वर्ष 2024 के छह करोड़ से बढ़कर 2030 में 16.5 करोड़ हो जाएगी। यह देश के मध्यम वर्ग की महत्वपूर्ण वृद्धि और विवेकाधीन खर्च की ओर एक मौलिक बदलाव को दर्शाता है।''

डेलॉयट इंडिया के भागीदार आनंद रामनाथन ने कहा, भारत का उपभोक्ता परिदृश्य मौलिक परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। विवेकाधीन व्यय में वृद्धि, डिजिटल कॉमर्स का विस्तार और ऋण तक बढ़ती पहुंच ब्रांड से जुड़ाव के नियमों को फिर से परिभाषित कर रही है। रिटेलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (आरएआई) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) कुमार राजगोपालन ने कहा कि भारत का विवेकाधीन व्यय वृद्धि के एक नए चरण में प्रवेश कर रहा है, जो बढ़ती आय, डिजिटल की स्वीकार्यता और विकसित होती उपभोक्ता प्राथमिकताओं से प्रेरित है।

उन्होंने कहा, ''जैसे-जैसे संगठित खुदरा और नए वाणिज्य मॉडल का विस्तार होगा, इन प्रवृत्तियों के साथ तालमेल बैठाने वाले व्यवसायों को विकास व नवाचार के लिए अपार अवसर मिलेंगे।''

फिल्म 'कन्नप्पा' का टीजर रिलीज किया

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार और दक्षिण भारतीय अभिनेता विष्णु मांचू ने अपनी आने वाली फिल्म 'कन्नप्पा' का टीजर रिलीज कर दिया है। कन्नप्पा की पौराणिक कथा पर आधारित महाकाव्य फ़िल्म कन्नप्पा का बहुप्रतीक्षित टीज़र मुंबई में आयोजित एक विशेष मीडिया कार्यक्रम में जारी किया गया। अक्षय कुमार, अभिनेता-निर्माता विष्णु मांचू, निर्देशक मुकेश कुमार सिंह और कलाकारों और क्रू के अन्य प्रमुख सदस्य इस पल का जश्न मनाने के लिए एकत्र हुए। मुकेश कुमार सिंह निर्देशित और एम. मोहन बाबू निर्मित फिल्म कन्नप्पा का उद्देश्य दर्शकों को पारंपरिक कहानी कहने के साथ आधुनिक फिल्म निर्माण तकनीकों को मिलाकर एक दृश्य और भावनात्मक यात्रा पर ले जाना है।

अक्षय कुमार ने भगवान शिव की भूमिका निभाने के बारे में कहा, पहले तो मुझे यकीन नहीं था, लेकिन विष्णु का अटूट विश्वास कि मैं भारतीय सिनेमा में बड़े पर्दे पर भगवान शिव को जीवंत करने के लिए सही व्यक्ति हूं, ने मुझे वास्तव में आश्वस्त किया। कहानी शक्तिशाली, गहराई से प्रभावित करने वाली है, और फिल्म एक दृश्य मास्टरपीस बन गई है। मैं इस अविश्वसनीय यात्रा का हिस्सा बनकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। विष्णु मांचू ने कहा,यह फिल्म मेरे लिए सिर्फ एक परियोजना नहीं है। यह एक व्यक्तिगत यात्रा है। मैं वर्तमान में भारत भर के सभी ज्योतिर्लिंगों का दौरा कर रहा हूं, मैंने कन्नप्पा की कहानी के साथ एक गहरा, आध्यात्मिक बंधन महसूस किया है। यह अटूट आस्था और त्याग की कहानी है जो आत्मा को छूती है। इस यात्रा में अक्षय कुमार, मोहनलाल और प्रभास जैसे आइकन का हमारे साथ होना मुझे बहुत गर्व की अनुभूति कराता है, क्योंकि हमारा मानना ङ्कङ्कहै कि भक्ति और दिव्य शक्ति से भरी यह कहानी दुनिया भर के हर व्यक्ति तक पहुँचनी चाहिए। यह एक ऐसा संदेश है जो सीमाओं से परे है और मानवता के दिल को छूता है।

मुकेश कुमार सिंह ने कहा, अक्षय, मोहनलाल और प्रभास जैसे दिग्गजों का निर्देशन करना एक शानदार अनुभव था। वे सभी बेहद सहयोगी हैं, जो अपनी भूमिकाओं में बहुत ऊर्जा लाते हैं। इस फिल्म के लिए विष्णु का जुनून संक्रामक रहा है, और हम यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि यह अविश्वसनीय कहानी हर जगह लोगों तक पहुंचे।

यामी गौतम ने अपनी सफलता के लिए दर्शकों के प्रति आभार जताया

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री यामी गौतम ने अपनी सफलता के लिए दर्शकों और अपने चाहने वालों के प्रति आभार जताया है। यामी गौतम ने बैक-टू-बैक हिट्स के साथ अपनी जेनरेशन की सबसे सफल अभिनेत्रियों में अपनी जगह पक्की कर ली है। आर्टिकल 370 जैसी क्रिटिकली अक्लेम्ड फिल्म से लेकर हाल ही में रिलीज़ हुई धूमधाम तक, यामी ने हर बार ऐसा परफॉर्मेंस दिया है जिसने दर्शक और समीक्षक दोनों को प्रभावित किया है। बीते पांच सालों में चोर निकल के भागा, ओएमजी 2, लॉस्ट जैसी कई फिल्मों में भी उन्होंने अपने दमदार अभिनय से कमाल कर दिखाया है। यामी की ये लगातार सफलता साबित करती है कि वो सिर्फ एक टैलेंटेड एक्ट्रेस ही नहीं, बल्कि कंटेंट और कमर्शियल सक्सेस का परफेक्ट बैलेंस बनाने वाली स्टार भी हैं।

यामी गौतम ने कहा, यह एक सफर है... जब मैं लोगों के चेहरे पर खुशी देखती हूं और वो मेरी फिल्मों की सराहना करते हैं, तो बहुत अच्छा महसूस होता है। मेरे मन में किसी तरह की शिकायत या गिला नहीं है। यह एक ऐसी जर्नी है, जिसे हर किसी को अकेले तय करना पड़ता है, फिर चाहे आप इंडस्ट्री से हों या बाहरी दुनिया से। आखिरकार, आखिरी फैसला तो दर्शकों के हाथ में ही होता है। यामी गौतम ने अपनी सफलता के लिए दर्शकों और अपने चाहने वालों के प्रति आभार भी जताया। उन्होंने कहा, मैं सबसे ज्यादा शुक्रगुजार हूं उन दर्शकों की, जिन्होंने मेरे काम को 'आर्टिकल 370' और अब 'धूम धाम' में इतना प्यार दिया... हर कदम, हर प्रोजेक्ट में मेरा साथ दिया।

हॉरर कॉमेडी 'द भूतनी' में नजर आयेंगे संजय दत्त

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के माचो हीरो संजय दत्त हॉरर कॉमेडी फिल्म 'द भूतनी' में काम करते नजर आयेंगे। फिल्म द भूतनी के निर्माताओं ने इस फिल्म का एक टीज़र जारी कर परियोजना की घोषणा की है।सिद्धांत सचदेव निर्देशित, यह फिल्म हॉरर-कॉमेडी शैली में दिल दहला देने वाले एक्शन के मिश्रण के साथ बनायी जा रही है। संजय दत्त के अलावा, इस फिल्म के कलाकारों में मौनी रॉय, पलक तिवारी, सनी सिंह और आसिफ खान प्रमुख भूमिकाओं में हैं। टीज़र में संजय दत्त एक एक्शन अवतार में हैं और अपने हाथों में दो तलवार लिये बुरी आत्माओं से लड़ते हुये नजर आ रहे हैं। इस फिल्म में हॉरर के साथ रोमांस का मिश्रण होने की उम्मीद है क्योंकि टीज़र में अभिनेता सनी सिंह को 'द भूतनी' से अपना प्यार लौटाने की गुहार लगाते देखा गया है।

टीजर वीडियो की शुरुआत में संजय दत्त, भगवद गीता की कुछ पंक्तियां पढ़ते हुए सुनाई दे रहे हैं। उनका कहना है कि वानर का शरीर होने के बाद भी व्यक्ति की आत्मा अमर होती है। फिल्म द भूतनी का निर्माण संयुक्त रूप से दीपक मुकुट और संजय दत्त ने किया है और फिल्म के सह-निर्माता हुनर ङ्कङ्कमुकुट और मान्यता दत्त हैं। यह फिल्म 18 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

थ्रिलर सीरीज 'कन्नेडा' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

जार पिक्चर्स निर्मित और चंदन अरोड़ा निर्देशित थ्रिलर सीरीज कन्नेडा का ट्रेलर रिलीज हो गया है। सीरीज़ कन्नेडा में परमिश वर्मा निम्मा की भूमिका में हैं,जबकि मोहम्मद जीशान अय्यूब, रणवीर शौरी, अरुणोदय सिंह, आधार मलिक और जैस्मीन बाजवा भी अहम भूमिकाओं में हैं।जियोहॉटस्टार ने अपनी बहुप्रतीक्षित सीरीज 'कन्नेडा' का ट्रेलर रिलीज कर दिया है।'कन्नेडा' जबरदस्त एक्शन, ड्रामा और अनदेखे ट्विस्टस से भरपूर है, जिसमें परमिश वर्मा निम्मा की दमदार भूमिका निभा रहे हैं। परमिश वर्मा ने कहा, 'कन्नेडा' सिर्फ एक कहानी नहीं है, बल्कि यह उन भारतीयों के संघर्ष, सपनों और महत्वाकांक्षाओं का आईना है,जो विदेश में अपना मुकाम बनाना चाहते हैं। निम्मा की जर्नी मेरे लिए बेहद खास रही, क्योंकि मैंने भी कई बार खुद को एक बाहरी इंसान की तरह महसूस किया है। लेकिन निम्मा की दुनिया कहीं ज्यादा बेरहम है, जहाँ अस्तित्व और ताकत की बहुत भारी कीमत चुकानी पड़ती है।इस किरदार को निभाना मेरे लिए सिर्फ एक एक्टिंग प्रोजेक्ट नहीं था, बल्कि एक ऐसा अनुभव था, जिसमें मैं पूरी तरह डूब गया। मैंने निम्मा को सिर्फ निभाया नहीं, बल्कि जिया है। इतना कि 'कन्नेडा' के बाद मैंने कोई और प्रोजेक्ट नहीं लिया।मुझे इस शो को लेकर बेहद गर्व महसूस हो रहा है, और मैं बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं कि दर्शक इसकी गहरी भावनाओं, जबरदस्त रोमांच और तीव्रता को जियोहॉटस्टार पर महसूस करें।

जैस्मीन बाजवा ने कहा,'कन्नेडा' सिर्फ एक जबरदस्त कहानी ही नहीं, बल्कि यह महत्वाकांक्षा और उसके असर को भी बारीकी से दिखाती है। हरलीन एक सीधी-सादी लड़की है, जो निम्मा से बेइंतहा प्यार करती है और हर मुश्किल में उसका साथ देती है। लेकिन हालात बदलते ही उसकी दुनिया पूरी तरह हिल जाती है।हरलीन का किरदार जितना सीधा-सादा दिखता है, उसमें उतनी ही गहराई और अपनी अलग जद्दोजहद है।

इतनी शानदार कास्ट के साथ काम करना एक यादगार अनुभव रहा। यह कहानी रोमांच से भरपूर है, जो दर्शकों को आखिरी पल तक बांधे रखेगी। मैं बेहद उत्साहित हूँ कि लोग इसे जियोहॉटस्टार पर देखने वाले हैं।

मोहम्मद ज़ीशान अयूब ने कहा,'कन्नेडा'की दुनिया बेरहम है, और इसमें मेरा किरदार कहानी में एक अहम मोड़ लेकर आता है। यह कहानी गहरे एहसास, जबरदस्त रोमांच और सस्पेंस से भरी हुई है। परमिश और पूरी टीम के साथ काम करना एक बेहतरीन अनुभव रहा, और मुझे पूरा भरोसा है कि दर्शकों को इसमें बारीकी से बुना गया ड्रामा और ट्विस्टस जरूर पसंद आएंगे।इतने प्रतिभाशाली कलाकारों के साथ काम करने और इस कहानी को जियोहॉटस्टार के जरिए दर्शकों तक लाने का मौका मिलने के लिए मैं आभारी हूं।

रणवीर शौरी ने कहा, 'कन्नेडा' एक ऐसी कहानी है, जहाँ इमिग्रेशन, राजनीति, अपराध और संगीत आपस में जुड़े हुए हैं। यह शो आज के दौर की सच्चाइयों को उजागर करता है, और मेरा किरदार इसमें एक अहम मोड़ लेकर आता है।ट्रेलर तो बस एक झलक है, असली रोमांच और भावनाओं की गहराई तो शो में देखने को मिलेगी। मैं बेहद उत्साहित हूं कि दर्शक इसे जियोहॉटस्टार पर देखने वाले हैं। 'कन्नेडा' 21 मार्च से सिर्फ जियोहॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी।

फिल्म 'सांस टूटे पर साथ न छूटे' जल्द होगी रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

भोजपुरी फिल्म अभिनेता कुलदीप कुमार की फिल्म सांस टूटे पर साथ न छूटे जल्द रिलीज होगी। फिल्म सांस टूटे पर साथ न छूटे पूरी तरह से बनकर तैयार है,जिसका प्रदर्शन जल्द ही किया जायेगा। रीलफील एन्टेनर के बैनर तले बनी इस फ़िल्म के निर्माता ललित के शर्मा है जबकि सह निर्मात्री निधि शर्मा एवं निर्देशक राजेश पटेल है।इस फिल्म में कुलदीप कुमार के साथ पूजा गांगुली नजर आयेंगी। कुलदीप कुमार ने बताया कि फ़िल्म सांस टूटे पर साथ न छूटे मेरे दिल के बेहद करीब है। इस फिल्म की कहानी दो पारिवारिक रिश्तों को जोड़ने का काम करती है। हमारे समाज मे आज के समय कुछ विशेष लोग शादी-विवाह में अपनी संस्कृति को छोड़कर विदेशी संस्कृति अपनाने लगे है, लेकिन अपनी माटी की खुशबू और संस्कृति एवं पारम्परिक शादी-विवाह को इस फ़िल्म में दर्शाया गया है।

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

स्थानीय मित्र मंडल के तत्वावधान में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी माहेश्वरी भवन में 26 फरवरी को महाशिवरात्रि महोत्सव का आयोजन धूमधाम से किया गया। इस महोत्सव में भगवान शिव पार्वती की विशेष मनोरम झांकी सजाई गई ।

वार्षिकोत्सव व महाशिवरात्रि महोत्सव में बही भजनों की रसधारा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय जय महादेव युवा संघ केंगेरी उपनगर द्वारा महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य में चेलेगटा स्थित श्री चामुंडेश्वरी माताजी मंदिर में 14वां वार्षिकोत्सव कार्यक्रम व महाशिवरात्रि महोत्सव 'एक शाम भोलेनाथ के नाम' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भजन कलाकार दुर्गा जसराज, मनीष परिहार ने एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति दी। दिल्ली के मनोज रिया ग्रुप द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम से दर्शक भाव विभोर हो गए। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने अपने वक्तव्य में कहा कि महाशिवरात्रि के पावन प्रसंग पर सच्चे मन से भगवान शिव के चरणों में हमारे में छुपी हुई बुराइयों को अर्पण कर दें तो शिव की कृपा हमें प्राप्त होगी। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन मनीष मुंण्डवा ने किया।

शिव जयकारों के साथ मित्र मंडल ने मनाया महाशिवरात्रि महोत्सव

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय मित्र मंडल के तत्वावधान में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी माहेश्वरी भवन में 26 फरवरी को महाशिवरात्रि महोत्सव का आयोजन धूमधाम से किया गया। इस महोत्सव में भगवान शिव पार्वती की विशेष मनोरम झांकी सजाई गई और साथ ही शिवलिंग स्थापित कर अभिषेक किया गया। इस मौके पर स्थानीय गायक कलाकारों के साथ साथ सुप्रसिद्ध भजन गायक हरिकिशन सारड़ा, मोनू गादिया ने बाबा भोलेनाथ सहित विभिन्न देवी देवताओं के भजनों की प्रस्तुति दी।

बड़ी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं ने भी ताली बजाकर व नाच झूमकर भजनों का आनंद लिया। संस्था की ओर से सभी भक्तों का तिलक लगाकर व दुप्पटा पहनाकर सम्मान किया गया। रात्रि 11.30 बजे आरती व फलाहार की व्यवस्था की गई। अध्यक्ष रामेश्वरलाल पंचारिया व मंत्री कमल लिल्हा ने सभी शिव भक्तों का स्वागत किया तथा सभी को महाशिवरात्रि की शुभकामनाएं दी।

महाशिवरात्रि महोत्सव दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु जांगिड़ सुथार समाज ट्रस्ट द्वारा महाशिवरात्रि महोत्सव का आयोजन किया गया जिसमें बालाजी सेवा धाम के महामण्डलेश्वर श्री बजरंगदासजी विशेष रुप से शामिल हुए। महाराजजी के सान्निध्य में सत्संग प्रवचन व भजन संध्या का आयोजन हुआ। महाशिवरात्रि पर्व के लाभार्थी परिवार का ट्रस्ट कमेठी द्वारा आभार प्रकट किया गया।

भगवान शिव कल्याण की प्रतिमूर्ति हैं : कथावाचक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सिंधी धर्मशाला में चल रहे संगीतमय शिवपुराण के विश्राम दिवस पर कथावाचक श्री पुंडरीककृष्णजी ने बताया कि शिव कल्याण की प्रतिमूर्ति हैं, जीव मात्र सबके जीवन में कल्याण की आवश्यकता है, लेकिन दृढ़ संकल्प कल्याणकारी शिव की साधना हेतु होना चाहिए। शिव के साथ शक्तियां मां काली,दुर्गा,सरस्वती,लक्ष्मी,पार्वती अन्य योगिनियां स्वयंमेव विराजमान हैं, कर भला तो हो भला। इस मौके पर सभी सहयोगियों को धन्यवाद दिया गया। कथा वाचक ने बताया कि शिवरात्रि की कथा प्रतिवर्ष अपनी तरफ से बिना किसी सुनिश्चित यजमान के मात्र महादेव जी के भरोसे वृन्दावन से सुनाने आते हैं। उन्होंने आचार्य पंडित दीनानाथ पाण्डेय का विशेष आभार व्यक्त किया।

जिनका नेतृत्व असक्षम, उनका भविष्य भी संदिग्ध : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हिरियूर। गुरुवार को वाणी विलास सागर बांध के समीप विश्राम स्थल पर भक्तजनों को मार्गदर्शन देते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि जाति, वर्ग, पंथ और संप्रदायों के आधार पर भारतीय समाज का बहुत अहित हुआ है। हजारों वर्षों का इतिहास साक्षी है कि आपसी विवादों से किसी को कोई लाभ नहीं हुआ। जो जीतते हैं, वे भी पछताते हैं और जो हारते हैं, वे भी बहुत गवांते हैं, इसलिए विवादों के परिणामों का गहन विश्लेषण करने की आवश्यकता है।

आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि हर समाज और धर्म में अनेक वर्ग-भेद होते हैं। सभी की मानसिकता, निर्णयक्षमता और कार्यशैली भी भिन्न-भिन्न होती हैं। इसलिए समाज या धर्म का संचालन करना कभी सरल नहीं होता। वर्तमान युगीन सच्चाई तो यह है कि मनमानी पूर्वक एक परिवार का संचालन भी मुश्किल होता है। ऐसी स्थिति में मनचाहे ढंग से समाज और धर्म को चलाना असंभव है। आधुनिक युग में जगह-जगह सामाजिक विवाद और विघटन देखने को मिल रहे हैं। जहां देखो वहां, आपसी ईर्ष्या और अहं की लड़ाई में समाज का भारी नुकसान हो रहा है। युवावर्ग इन विवादों को देखकर समाज की मुख्य धारा से कटता जा रहा है। हजारों-लाखों युवाओं का सामाजिक-धार्मिक नेतृत्व में विश्वास नहीं बचा है। दो की लड़ाई में तीसरा कोई फायदा उठा रहा है। आंतरिक विवादों के बीच समाज की उन्नति का मार्ग अवरुद्ध हो गया है। यह सब समाज व धर्म के नायकों की असक्षमता और कमजोरी को दर्शाता है। नायक हमेशा स्वच्छ, निष्पक्ष, समर्पित, दूरदर्शी, स्पष्ट और मझबूत होने चाहिए। उन पर ही समाज व धर्म की शक्ति, उन्नति और सुरक्षा निर्भर करती हैं। जिनका नेतृत्व कमजोर हैं तो मानकर चलो, उनका भविष्य भी संदिग्ध है। इस अवसर पर दावणगेरे, हिरियूर, चलकेरे, होसदुर्गा और बेंगलूरु के श्रद्धालुजन उपस्थित थे। दावणगेरे जैन संघ के पदाधिकारी विशेष रूप से अपने यहां जैनाचार्य के लंबे प्रवास और कार्यक्रमों का निवेदन करने हेतु उपस्थित थे। होसदुर्गा व हिरियूर के पुलिस अधिकारियों ने भी जैनाचार्य के दर्शन कर आशीर्वाद ग्रहण किए। आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी व गणि पद्मविमलसागरजी शुक्रवार को प्रातः हिरियूर पहुंचेंगे।

होली चातुर्मास एवं शासनमाता अभ्यर्थना समारोह के लिए किया निवेदन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय तेरापंथ सभा गांधीनगर के अध्यक्ष पारसमल भंसाली के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल ने हिरिसेव में स्थित जनप्रभा इंटरनेशनल स्कूल में विराजित साध्वीश्री संयमलताजी के दर्शन किए तथा साध्वीश्री से 13 मार्च को होली चातुर्मास एवं 9 मार्च को शासन माता साध्वी प्रमुखा कनकप्रभाजी के चतुर्थ पुण्यतिथि पर अभ्यर्थना कार्यक्रम का आयोजन गांधीनगर तेरापंथ सभा भवन में करवाने हेतु निवेदन किया। इस अवसर पर महासभा से प्रकाश लोढ़ा, नवनीत मुथा, विजयनगर सभा अध्यक्ष मंगल कोचर, टी दासरहल्ली सभा अध्यक्ष भगवतीलाल मांडोत तथा अणुव्रत समिति के पूर्व अध्यक्ष माणकचंद मुथा विशेष रूप से उपस्थित रहे। इसके बाद साध्वी श्री उदितयशाजी के दर्शन किए।

शिवतारा मंदिर में गूंजे हर-हर महादेव के जयकारे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु के मागड़ी रोड कुरबरहल्ली स्थित शिव तारा मंदिर में महाशिवरात्रि पर्व मनाया गया। मंदिर के संचालक बिमल भंसाली एवं प्रतीक भंसाली ने बताया कि प्रातः शिवलिंग का अभिषेक एवं विशेष पूजा अर्चना की गई।

दोपहर में शिव पार्वती विवाह का विधान आयोजित किया गया। आयोजन में गोविंदराज नगर के पार्षद उमेश शेट्टी, तेरापंथ समाज के वरिष्ठ सदस्य मूलचंद नाहर, गौतमचंद मुथा, प्रकाशचंद बाबेल, सुरपत चोरड़िया, वीणा बैद, ललित आच्छा एवं कांति स्वीट्स ग्रुप के चेयरमैन शैलेन्द्र शर्मा आदि गणमान्य व्यक्ति सम्मिलित हुए। सायंकाल में महाआरती एवं शिव स्तुति की गई।

मानव का विकास उसकी मानसिक शक्तियों से ही संभव : विनयमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के अक्कीपेट जैन स्थानक में विराजित श्री विनयमुनिजी खींचन ने प्रवचन सभा में कहा कि इन्सान की दो प्रकार कि शक्तियां प्रमुख होती है, उसमें शारीरिक तथा मानसिक दो शक्तिओं में इन्सान की मानसिक शक्ति को ऊंच श्रेणी में लिया गया है। कुछके जन्म से शरीर, रूप, रंग सभी ठीक ठाक होते हुए भी स्नायु तन्त्र की पूर्ण रूपेण विकास नहीं होने से मूकता- चिन्तन मनन की शक्ति मंद दर्जे में होती है। शारीरिक तथा मानसिक दोनों दृष्टि से युवा साधु साध्वियों से कमजोर ही प्रायः होते है। संघ प्रवक्ता विनोदकुमार भुरट ने सभी का स्वागत किया। संघ अध्यक्ष नेमीचंद सालेचा ने आभार व्यक्त किया।

जैन कॉन्फ्रेन्स कर्नाटक युवा शाखा के नए पदाधिकारियों का हुआ सम्मान

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। ऑल इण्डिया श्वेतांबर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेन्स कर्नाटक युवा शाखा द्वारा नवनिर्वाचित युवा अध्यक्ष आशीष भंसाली, युवा प्रमुख मार्गदर्शक भरत कोठारी, युवा महामंत्री किशोर बाफना, युवा कोषाध्यक्ष रूपेश सिसोदिया एवं युवा सह-कोषाध्यक्ष सुनील बम्ब का सम्मान किया गया। इस अवसर पर कर्नाटक युवा शाखा से निवर्तमान युवा अध्यक्ष विकास कोठारी, निवर्तमान युवा महामंत्री मनोज बोहरा, निवर्तमान युवा प्रमुख मार्गदर्शक सुनील लोढ़ा सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे। निवर्तमान युवा अध्यक्ष विकास कोठारी ने नए पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी तथा हर संभव सहयोग व समर्थन देने का आश्वासन दिया। नवनिर्वाचित युवा अध्यक्ष आशीष भंसाली ने कहा की शीघ्र ही युवा की सशक्त टीम का गठन किया जाएगा और सभी के सहयोग से जैन कॉन्फ्रेंस, कर्नाटक युवा शाखा इस कार्यकाल में भी अच्छे से अच्छा कार्य करने के लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ेगी।

तेरापंथ भवन यशवंतपुर में राष्ट्रीय वाद विवाद प्रतियोगिता सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ महिला मंडल यशवंतपुर द्वारा 'आधुनिक जीवन शैली और पारिवारिक संस्कार सह अस्तित्व या संघर्ष' विषय राष्ट्रीय वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन मुनिश्री मोहजीतकुमारजी के सान्निध्य में यशवंतपुर भवन में किया गया। मुनिश्री मोहजीतकुमारजी ने कहा कि आधुनिकता उन्नति का कारण बने न कि अवनति का। आपसी प्रेम सौहार्द, समन्वय से पारिवारिक संस्कार को मूल्यवान बनाए। आधुनिकीकरण से आज के युग मे उपभोक्तावाद, लाइव इन रिलेशनशिप, आडंबर, डिवोर्स ऐसी कई समस्याए आ रही है जिनका समाधान पाना कठिन हो रहा है। बचपन में दिए गए संस्कार दृढ और स्थायित्व लिए होते है। महिला मंडल द्वारा ऐसे विषयों पर चर्चा परिचर्चा, कार्यशालाए बहुत ही उपयोगी होती है। सभा के पूर्व उपाध्यक्ष शांतिलाल भंसाली ने भी विषय अपने विचार व्यक्त किए। अध्यक्ष मीना दक ने सभी का स्वागत किया। उपासिका पुष्पा गन्ना एवं मीना दक निर्णायक रहीं। प्रतियोगिता में 9 प्रतियोगियों ने भाग लिया। प्रथम स्थान पर वनिता बोलिया, द्वितीय स्थान पर आशा पितलिया रहीं। सभी प्रतियोगियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया । कार्यक्रम का संचालन मंत्री लाडली मुथा ने किया।

शांत व संतुलित व्यक्ति संसार का सबसे अमीर, भाग्यशाली व्यक्ति है : डॉ. समकितमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । स्थानीय वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हनुमंतनगर के तत्त्वावधान में आयोजित धर्मसभा में डॉ. श्री समकितमुनिजी ने गुरुवार को हनुमंतनगर जैन स्थानक में कहा कि आज के व्यस्ततम जीवन में व्यक्ति का असली सुख-चैन कहीं खो गया हैं। घर परिवार, समाज, आश्रित सबकी जरूरतों को पूरा करने की चाह में व्यक्ति दिनभर अर्थ के संचय में एक मशीन बन कर रह गया है। फलस्वरूप व्यर्थ की आकांक्षाओं से दुःखी बनकर व्यक्ति कहीं ना कहीं तनाव, मानसिक अवसाद साद से सदैव घिरा हुआ अपने को पाता है। जो व्यक्ति हर परिस्थति में शांत, संतुलित और प्रसन्न रह सकता है। वह संसार का सबसे अमीर, भाग्यशाली और शक्तिशाली व्यक्ति हैं। इस संसार में सब कुछ अस्वायी है और क्षणभंगुर हैं। इसलिए किसी व्यक्ति या वस्तु से मोहग्रस्त न हो, भय और चिंताओं से परे रहकर, सदाचारमय आध्यात्मिकता की शरण ग्रहण करने पर मानव अपने जीवन की शांत, सुखी बना सकता है। परमात्मा सदैव और प्रत्येक स्थान पर आपकी मदद के लिए मौजूद है। समकितमुनिजी ने कहा कि जीवन का प्रत्येक क्षण अनमोल है उसे आनंदमय बनाने का प्रयत्न कीजिए। दूसरों के दर्द भरे आंसुओं को पोंछकर उन्हें मधुर मुस्कान देने से जो आत्मिक सुखी आनंद मिलता है उसे दुनिया की पूरी दौलत नहीं खरीद सकती हैं। पाप से बचें और नैतिक धर्ममय खुशहाल जीवन जीएं। हनुमंतनगर संघ मंत्री सुरेशकुमार धोका ने सबका स्वागत किया। इस मौके पर रमेशचंद सिसोदिया, पदमचंद बोहरा, नेमीचंद दलाल आदि ने अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर पारसमल दुग्गड़, हुक्मीचंद कांकरिया, शांतिलाल भंडारी, संजय कचोलिया आदि उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अमावस्या प्रसादी

बेंगलूरु के मैसूर बैंक सर्कल स्थित श्रीहनुमान मंदिर के समीप में श्री गुरु गणेश सेवा समिति कर्नाटक द्वारा प्रतिमाह की अमावस्या को आयोजित की जाने वाली महाप्रसादी का 85वां आयोजन गुरुवार को संपन्न हुआ जिसमें करीब साढ़े चार हजार से अधिक जरूरतमंद लोगों ने प्रसाद पाया। रणजीतमल कानूंगा परिवार एवं समिति के मासिक सदस्यों के संयुक्त सौजन्य से हुए इस आयोजन की अध्यक्षता समिति के चेयरमैन गौतमचंद धारीवाल, प्रकाश बाफना, अनिल बाफना, आशीष बाफना, मानमल बाफना, राजू आंचलिया, कोषाध्यक्ष मनोहरलाल बाफना, अध्यक्ष किरण बोहरा, विनोद चौरडिया, यशवंत सालेचा, राजेश कातरेला, रितु संचेती आदि उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

गौसेवा

मैसूरु, बेंगलूरु व हैदराबाद से प्रयागराज, अयोध्या, वाराणसी, चित्रकूट सहित विभिन्न दर्शनीय स्थला की यात्रा कर आने वाले राजस्थानी प्रवासियों ने कुशालपुरा ब्यावर स्थित कृष्णा गौशाला में बीमार गौमाता की सेवा के लिए आर्थिक सहयोग दिया। गौ साला समिति के अध्यक्ष पुनाराम ने सभी यात्रियों का आभार प्रकट किया।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com